संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -173 मंगलवार ,25 अप्रैल 2023,पृष्ठ - 8+4 मूल्य 2 रूपये

भारतीयों को निकालने के लिए ऑपरेशन कावेरी शुरू

भारत सरकार ने ऑपरेशन कावेरी के जरिए वहां फंसे भारतीयों को बाहर निकालने का जिम्मा उठाया

500 लोग सूडान पोर्ट पहुंचे

नईदिल्ली,24 अप्रैल 2023(ए)। सूडान में छिड़े गृहयुद्ध के बीच सूडान सेना दूसरे देश के नागरिकों की सुरक्षित निकासी के लिए तैयार हो गई है। जिसके बाद भारत सरकार ने ऑपरेशन कावेरी के जरिए वहां फंसे भारतीयों को बाहर निकालने का जिम्मा उठाया है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सूडान में भारतीयों को निकालने की प्रक्रिया पर ट्वीट करते हुए कहा कि सूडान में फंसे हमारे नागरिकों को वापस लाने के लिए ऑपरेशन कावेरी चल रहा है। उन्होंने कहा, ÷हमारे जहाज और विमान उन्हें वापस घर लाने के लिए तैयार हैं। लगभग 500 भारतीय पोर्ट सूडान पहुंच गए हैं जबकि अन्य रास्ते में हैं। हमारे जहाज और विमान उन्हें वापस घर लाने के लिए तैयार हैं। हम सूडान में अपने सभी भाइयों की सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बता दें लगभग 3,000 भारतीय सूडान में फंसे हुए है।

इससे पहले भारत में फ्रांस के दूतावास ने सूचित किया था कि उनके देश ने हिंसा प्रभावित सूडान से अपने निकासी मिशन के हिस्से के रूप में 27 अन्य देशों के नागरिकों के साथ कुछ भारतीयों को निकाला है । नई दिल्ली स्थित फ्रांसीसी दूतावास ने सोमवार को कहा कि भारत समेत 28 देशों के 388 लोगों को निकाला गया है।

मोदी ने सूडान में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूडान में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए शुक्रवार को एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। सेना और

अर्धसैनिक बलों के बीच लड़ाई के कारण सूडान हिंसा का सामना कर रहा है। 72 घंटे के संघर्ष विराम के बीच भी हिंसा की खबरें आ रही हैं। सूडानी सशस्त्र बलों और अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच 15 अप्रैल को हुई हिंसक झड़पें बेरोकटोक जारी हैं। सूडान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, हिंसा में कम से कम 424 लोगों की मौत हुई है और करीब 3,730 लोग घायल हुए हैं।

आयकर विभाग की बड़ी कार्रवाई

» डीएमके विधायक के आवास समेत 50 जगहों पर छापेमारी

चेन्नई,24 अप्रैल 2023(ए)। आयकर विभाग की ओर से तमिलनाडु में बड़ी छापेमारी की गई है। विभाग के अधिकारियों की ओर से राजधानी चेन्नई, कोयम्बटूर, त्रिची और होसुर में कर चोरी के मामले में जी स्क्वॉयर निर्माण समूह से जुड़े करीब 50 ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

जानकारी के अनुसार डीएमके विधायक मोहन के आवास पर भी आयकर विभाग ने छापेमारी की है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने डीएमके फाइल्स के खुलासे के दौरान दावा करते हुए कहा कि कई संपत्तियां जी स्क्वॉयर रियल एस्टेट समूह के स्वामित्व में हैं, यह ग्रूप कथित रूप से डीएमके के करीबी है।

अतीक-अशरफ हत्याकांड पर अब 28 अप्रैल को सुनवाई

नईदिल्ली,24 अप्रैल 2023(ए)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में गैंगस्टर से राजनेता बने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या की स्वतंत्र जांच की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 28 अप्रैल को सुनवाई के लिए तैयार हो गया है। अतीक अहमद और अशरफ को 15 अप्रैल की रात मीडिया से बातचीत के दौरान पत्रकार बनकर आए तीन लोगों ने उस वक्त बेहद करीब से गोली मार दी थी जब पुलिसकर्मी दोनों को जांच के लिए प्रयागराज के मेडिकल कॉलेज ले जा रहे थे।

पिछले 6 साल में हुई 183 मुठभेड़ों की जांच की भी मांग

अधिवक्ता विशाल तिवारी द्वारा दायर याचिका में 2017 के बाद से उत्तर प्रदेश में हुई 183 मुठभेड़ों की जांच की भी मांग की गई है। तिवारी ने मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा की पीठ के समक्ष सोमवार को मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने का उल्लेख किया। उन्होंने पीठ को बताया कि उनकी याचिका सोमवार को सुनवाई के लिए आने वाली थी, लेकिन इसे सूचीबद्ध नहीं किया गया है। सीजेआई ने कहा, चूंकि पांच न्यायाधीश उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए कुछ मामलों में तारीखें दी गई हैं, जिन्हें सूचीबद्ध नहीं किया गया है। हम इसे शुक्रवार (28 अप्रैल) को सूचीबद्ध करने का प्रयास करेंगे।÷

मोदी सरनेम मामले में राहुल गांधी को बड़ी राहत

एमपी-एमएलए कोर्ट के आदेश पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

पटना,24 अप्रैल 2023(ए)। मोदी सरनेम वालों के लिए आपत्तिजनक टिप्पणी कर मुकदमे में फंसे राहुल गांधी को पटना हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। एमपी एमएलए कोर्ट में बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और भाजपा सांसद सुशील कुमार मोदी ने याचिका दायर की थी। इस याचिका पर सुनवाई करते हुए राहुल गांधी को 25 अप्रैल को एमपी-एमएलए कोर्ट में हाजिर होने का आदेश मिला था। लेकिन उनके वकील की तरफ से कोर्ट में यह अर्जी लगाई गई कि इसी मामले में उन्हें सजा हो चुकी है। अब इस मामले में पटना हाईकोर्ट ने निचली अदालत में सुनवाई के लिए 15 मई तक के लिए

रोक लगा दी है।बता दें, सूरत कोर्ट से सजा पाने के बाद पटना हाई कोर्ट ने निचली अदालत के आदेश पर 15 मई, 2023 तक का रोक लगाते हुए राहुल गांधी को फिलहाल राहत दी। जस्टिस संदीप कुमार की बेंच ने राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई की। पटना की निचली अदालत ने उन्हें 25 अप्रैल 2023 को कोर्ट में सशरीर उपस्थित हो कर अपना पक्ष प्रस्तुत करने को कहा था। अगली सुनवाई 15 मई को पटना हाईकोर्ट में ही होगी।

मजदूरों के लिए केजरीवाल सरकार ने किया बड़ा ऐलान

» फ्री बस पास, मकान और बच्चों को मुफ्त कोचिंग,

नईदिल्ली,24 अप्रैल 2023(ए)। दिल्ली सरकार ने मजदूरों को बस यात्रा के लिए मुफ्त पास देने का निर्णय लिया है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से सोमवार को ट्वीट में कहा गया कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने श्रम विभाग के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। उन्होंने इस दौरान विभाग को आदेश दिए कि सरकारी सुविधाओं एवं योजनाओं को दिल्ली में पंजीकृत सभी 13 लाख श्रमिकों तक पहुंचाने के लिए काम हो।

इस दौरान सभी पंजीकृत श्रमिकों को बसों में फ्री सफ़र के लिए सालाना डीटीसी पास देने का निर्णय लिया गया। श्रमिकों के रहने के लिए घरों एवं होस्टल की व्यवस्था के साथ साथ सभी श्रमिकों के बच्चों के लिए फ्री कोचिंग की व्यवस्था करने के फ़ैसले लिए गए।

उन्होंने कहा सभी श्रमिकों को टूलकिट दिए जाएँगे एवं बड़े स्तर पर उनके लिए स्किल डेवेलपमेंट प्रोग्राम चलाए जायेंगे। सभी श्रमिकों को ईएसआई स्कीम एवं ग्रुप इंश्योरेंस दिया जाएगा।

ट्रेलर दुर्घटना में तीन जिंदा जल गए

कई किलोमीटर तक लगा लंबा जाम

बाड़मेर,24 अप्रैल 2023 (ए)। बाड़मेर जिले के गुड़ामालानी थाना क्षेत्र के आलपुरा सरहद में मेगा हाईवे पर अलसुबह 2 ट्रेलर के बीच में भीषण भिड़ंत हो गई।

हादसे के बाद दोनों ही ट्रेलरों में भयंकर आग लग गई और ट्रेलर में तीन लोगों की जिंदा जलने से मौत हो गई। वहीं एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मेगा हाईवे पर दोनों तरफ कई किलोमीटर तक वाहनों का लंबा जाम लग गया।

हादसे की सूचना मिलने के बाद गुडामालानी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों और ट्रक चालकों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया, जिसके बाद मौके पर पहुंची रागेश्वरी गैस टर्मिनल की फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। फिलहाल मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है।

मुस्लिम कोटा खत्म करने के वादे को लेकर ओवैसी ने अमित शाह पर साधा निशाना

हैदराबाद ,24 अप्रैल 2023(ए)। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस वादे पर निशाना साधा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर तेलंगाना में भाजपा सत्ता में आती है, तो वह राज्य में मुसलमानों के लिए आरक्षण खत्म कर देगी।

ओवैसी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछड़े मुसलमानों तक पहुंचने की बात करते हैं, शाह उनके आरक्षण को हटाने का वादा कर रहे हैं।

ओवैसी ने ट्वीट किया, मोदी कहते हैं कि पसमांदा मुसलमानों तक पहुंचें, अमित शाह उनका आरक्षण हटाने का वादा करके इसका अनुपालन करते हैं।

हैदराबाद के सांसद ने शाह को यह भी याद दिलाया कि पिछड़े मुस्लिम समूहों के लिए आरक्षण अनुभवजन्य आंकड़ों पर आधारित है।

ओवैसी ने लिखा, कृपया सुधीर आयोग की रिपोर्ट पढ़ें। यदि आप नहीं कर सकते हैं, तो कृपया किसी से पूछ सकते हैं। मुस्लिमों के लिए आरक्षण सुप्रीम कोर्ट के स्टे के तहत जारी है।

रविवार शाम को हैदराबाद के पास चेवेल्ला में एक जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने मुस्लिमों के लिए आरक्षण खत्म करने का वादा किया था।

उन्होंने मुसलमानों के लिए आरक्षण को असंवैधानिक बताया था।

उन्होंने कहा, तेलंगाना में भाजपा की सरकार बनने के बाद हम मुस्लिम आरक्षण खत्म कर देंगे। इस पर एससी, एसटी व ओबीसी का अधिकार है।

ओवैसी ने कहा कि अगर शाह एससी, एसटी और ओबीसी के लिए न्याय को लेकर गंभीर हैं, तो उन्हें 50 फीसदी कोटा सीमा को हटाने के लिए एक संवैधानिक संशोधन पेश करना चाहिए।

यह पहली बार नहीं है, जब शाह ने तेलंगाना में मुसलमानों के लिए आरक्षण हटाने की बात कही है। उन्होंने अतीत में कई मौकों पर वादा किया है और इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर इसे दोहराया है।

झारखंड के मंत्री का अश्लील वीडियो वायरल

प्रदेश की सियासत में मची हलचल,मंत्री बोले-फर्जी है

रांची,24 अप्रैल 2023(ए)। एक वायरल वीडियो क्लिप ने रविवार रात से झारखंड की सियासत में हलचल मचा दी है। यह वीडियो क्लिप झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता का है, जिसमें वह कथित तौर पर एक महिला से वीडियो कॉल पर बात कर रहे हैं। दोनों के बीच हो रही बातचीत अश्लील है। स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने इसे फर्जी और एडिटेड वीडियो करार देते हुए जमशेदपुर के एसपी को लिखित शिकायत की है और इसकी जांच कराने को कहा है। बन्ना गुप्ता के मुताबिक इस मामले में उनकी शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। दूसरी तरफ भाजपा के कई बड़े नेताओं ने इस वीडियो को शर्मनाक बताते हुए स्वास्थ्य मंत्री के चरित्र पर सवाल खड़ा किया है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने इस वीडियो को अपने ट्विटर हैंडल से ट्वीट भी किया है।

बन्ना गुप्ता जमशेदपुर पश्चिमी क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक हैं और हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल में स्वास्थ्य मंत्री हैं। रविवार की रात यह वीडियो वायरल होने के बाद कांग्रेस ने आंतरिक जांच शुरू कर दी है। खबर है कि केंद्रीय नेतृत्व के एक जिम्मेदार पदाधिकारी ने इस वीडियो की सत्यता पर प्रदेश कमेटी से रिपोर्ट मांगी है।सियासी गलियारों से लेकर सोशल मीडिया पर

यह वीडियो रविवार की रात से तब वायरल होना शुरू हुआ, जब गोड्डा के भाजपा सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने इसे ट्वीट करते हुए लिखा, यह है कांग्रेस का चरित्र। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता का यह तथाकथित माजरा है। महिलाओं की इज्जत से खेलना, कांग्रेस कार्यकर्ता सुशील शर्मा का अपनी पत्नी को तंदूर में जलाना, काश गांधी परिवार यह समझ पाता। अगर यह सही है तो कांग्रेस के लिए डूब मरनेवाली बात है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश ने कहा है कि हेमंत सरकार के मंत्रिमंडल के सहयोगी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता का चाल-चरित्र आज जनता के सामने आया है। राहुल गांधी और मुख्यमंत्री हेमंत इसपर भी चुप्पी साधे रखेंगे या कोई कार्रवाई करेंगे। बन्ना गुप्ता इस वीडियो को फैब्रिकेटेड बता रहे हैं और इस मामले में उन्होंने साइबर थाना बिष्टुपुर में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज करायी है। बन्ना गुप्ता ने एसएसपी को पत्र लिखकर बताया है कि उनकी तस्वीर लगाकर किसी व्यक्ति ने आपत्तिजनक वीडियो वायरल किया है। ऐसे में साइबर सेल से इसकी जांच करायी जाये। गुप्ता ने कहा कि मेरी छवि को धूमिल करने और राजनीतिक विद्वेष की भावना से कुछ राजनीतिक विरोधियों ने साजिश के तहत फर्जी वीडियो वायरल किया है।

ललित मोदी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

बिना शर्त माफी मांगने पर अवमानना की कार्रवाई बंद

नई दिल्ली ,24 अप्रैल 2023(ए)। सर्वोच्च न्यायालय ने सोमवार को भारतीय न्यायपालिका के खिलाफ अपनी टिप्पणी के लिए अवमानना मामले में पूर्व आईपीएल आयुक्त ललित मोदी की बिना शर्त माफी को स्वीकार कर लिया। ललित मोदी की माफी को स्वीकार करते हुए जस्टिस एम.आर. शाह और जस्टिस सी.टी. रविकुमार ने कहा कि यह अदालत माफी में विश्वास करती है। आईपीएल के पूर्व आयुक्त का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने पीठ के समक्ष कहा कि ललित मोदी पहले ही आपत्तिजनक पोस्ट हटा चुके हैं और अखबारों में माफीनामा प्रकाशित कर चुके हैं।

पीठ ने कहा कि भविष्य में अगर उनके द्वारा कोई ऐसा बयान दिया जाता है, जो भारतीय न्यायपालिका को अपमानित करता है, तो इसे बहुत गंभीरता से लिया जाएगा। 13 अप्रैल को, सुप्रीम कोर्ट ने ललित मोदी को सोशल मीडिया पोस्ट में न्यायपालिका के खिलाफ उनकी टिप्पणी पर बिना शर्त माफी मांगने का निर्देश दिया था।

अतीक-अशरफ की हत्या से कोई लेना-देना नहीं

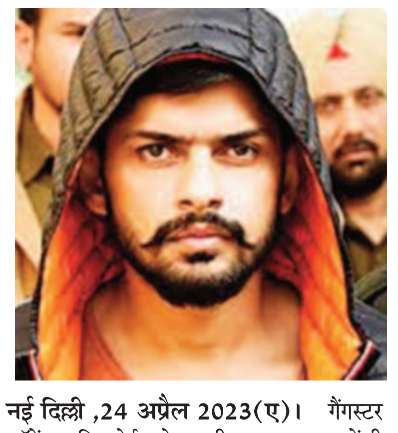

नई दिल्ली ,24 अप्रैल 2023(ए)। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनआईए) को बताया है कि प्रयागराज में 15 अप्रैल को अतीक और अशरफ अहमद की हत्या से उसका कोई संबंध नहीं है। इससे पहले गैंगस्टर से राजनेता बने भाई अतीक और अशरफ की हत्या में गिरफ्तार तीन में से एक आरोपी ने बिश्नोई को अपना रोल मॉडल बताया था।

एनआईए के सूत्रों ने बताया कि एजेंसी ने हत्याकांड के तीनों आरोपियों के पास से बरामद हथियारों के बारे में बिश्नोई से पूछताछ की थी। उन्होंने कहा, हत्यारों ने अतीक और अशरफ को मारने के लिए तुर्की में बनी जिगना पिस्तौल का इस्तेमाल किया था। यह वही हथियार है जिससे पंजाबी गायक सिद्धू सिंह मूसेवाला की हत्या की गई थी। इसलिए हमने उससे (बिश्नोई से) पूछताछ की। अब तक वह अतीक-अशरफ हत्याकांड के पीछे हाथ होने से इनकार कर रहा है।

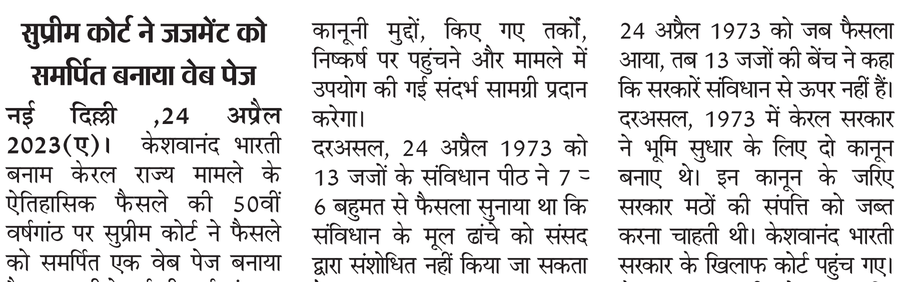

केशवानंद भारती केस के 50 साल पूरे

सुप्रीम कोर्ट ने जजमेंट को समर्पित बनाया वेब पेज

नई दिल्ली ,24 अप्रैल 2023(ए)। केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य मामले के ऐतिहासिक फैसले की 50वीं वर्षगांठ पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसले को समर्पित एक वेब पेज बनाया है। आज सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ने कहा कि ये वेब पेज अब दुनिया भर के शोधकर्ताओं को 24 अप्रैल 1973 को सुनाए गए ऐतिहासिक फैसले के बारे में अधिक जानने में मदद कर सकता है। ये वेब पेज पृष्ठभूमि, परिचय, उठाए गए प्रमुख कानूनी मुद्दों, किए गए तर्कों, निष्कर्ष पर पहुंचने और मामले में उपयोग की गई संदर्भ सामग्री प्रदान करेगा।

दरअसल, 24 अप्रैल 1973 को 13 जजों के संविधान पीठ ने 7 ÷ 6 बहुमत से फैसला सुनाया था कि संविधान के मूल ढांचे को संसद द्वारा संशोधित नहीं किया जा सकता है।

साल 1973 की बात है, सुप्रीम कोर्ट में केरल सरकार के खिलाफ एक संत केशवानंद भारती का केस पहुंचा था। पहली बार सुप्रीम कोर्ट के 13 जज इसे सुनने के लिए बैठे. लगातार 68 दिन तक बहस हुई। आखिरकार 24 अप्रैल 1973 को जब फैसला आया, तब 13 जजों की बेंच ने कहा कि सरकारें संविधान से ऊपर नहीं हैं।

दरअसल, 1973 में केरल सरकार ने भूमि सुधार के लिए दो कानून बनाए थे। इन कानून के जरिए सरकार मठों की संपत्ति को जब्त करना चाहती थी। केशवानंद भारती सरकार के खिलाफ कोर्ट पहुंच गए। केशवानंद भारती ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 26 हमें धर्म के प्रचार के लिए संस्था बनाने का अधिकार देता है। ऐसे में सरकार ने इन संस्थाओं की संपत्ति जब्त करने के लिए जो कानून बनाए, वो संविधान के खिलाफ हैं।

संपादकीय

नैतिक महत्त्व का फैसला ?

आज हकीकत यह है कि डब्लूटीओ की परवाह कोई देश नहीं कर रहा है। जब खुद अमेरिका और यूरोपीय संघ ने डब्लूटीओ के दायरे से बाहर व्यापार प्रतिबंध और व्यापार युद्ध की नीति अपना ली है, तो फिर इस संस्था का क्या रुतबा बचता है?

विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) ने भारत के खिलाफ फैसला दिया है। यूरोपीय संघ, जापान और ताइवान की एक याचिका पर ये फैसला आया। अगर यह भूमंडलीकरण के पलटने का दौर नहीं होता, तो बेशक इस निर्णय को भारत के लिए एक तगड़ा झटका माना जाता। लेकिन आज हकीकत यह है कि डब्लूटीओ की परवाह कोई देश नहीं कर रहा है। जब खुद अमेरिका और यूरोपीय संघ ने डब्लूटीओ के दायरे से बाहर व्यापार प्रतिबंध और व्यापार युद्ध की नीति अपना ली है, तो फिर इस संस्था का क्या रुतबा बचता है? यह भी गौरतलब है कि अमेरिका ने डब्लूटीओ में जजों की नियुक्ति रोक रखी है। इसलिए बहुत सारे मामलों की सुनवाई वहां पूरी नहीं हो पा रही है। ऐसे में ताजा फैसले से भारत के लिए कोई चिंता पैदा होगी, इसकी संभावना नहीं है। बहरहाल, आईटी उत्पादों के आयात पर कर लगाने के मामले में डब्लूटीओ ने भारत के खिलाफ फैसला दिया।

संगठन की एक समिति ने पाया कि भारत ने नियमों को उल्लंघन किया है। यह मामला 2019 का है, जब यूरोपीय संघ ने भारत की आईटी उत्पादों पर 7.5 प्रतिशत से 20 प्रतिशत तक का आयात कर लगाने के फैसले को चुनौती दी थी। भारत ने मोबाइल फोन, उनके उपकरणों और इंटिग्रेटेड सर्किट जैसे उत्पादों पर ये कर लगाए थे। यूरोपीय संघ का कहना था कि ये कर अधिकतम तय सीमा से ज्यादा हैं। जापान और ताइवान ने भी उसी साल इस बारे में शिकायत दर्ज कराई थी। यूरोपीय संघ भारत का तीसरा सबसे बड़ा व्यापार सहयोगी है। यूरोपीय आयोग के मुताबिक 2021 में दोनों पक्षों के बीच जितना व्यापार हुआ, वह भारत के कुल व्यापार का 10.8 फीसदी था। यूरोपीय संघ की शिकायत के मुताबिक 2014 से ही भारत ने मोबाइल फोन, उनके उपकरणों और एक्सेसरी, लाइन टेलीफोन, कन्वर्टर और केबल जैसे उत्पादों पर 20 फीसदी तक के आयात कर लगाए थे। यह डब्लूटीओ की सीमा से ज्यादा है। यूरोपीय संघ का कहना है कि भारत के करों के कारण उसके निर्यात को 60 करोड़ यूरो तक का नुकसान सालाना हो रहा है।

पंचायती राज संस्थाओं के सशक्तिकरण के तीन दशक

भारत के स्थानीय स्वशासन प्रणाली के इतिहास में 24 अप्रैल एक महत्वपूर्ण दिन है। राष्ट्रपति ने 1993 में इसी दिन देश की पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देते हुए 73वें संविधान संशोधन को अपनी स्वीकृति दी थी। पंचायतों को त्रि-स्तरीय प्रणाली प्रदान करने वाले और पंचायतों को शक्तियों और जिम्मेदारियों का हस्तांतरण करने वाले इस संशोधन की अगली कड़ी के रूप में भाग 9 को संविधान में जोड़ा गया था। संविधान का 73वां संशोधन आज अपना 30वां साल पूरा कर रहा है।

पंचायती राज संस्थाएं लोकतंत्र के लिए स्तंभ हैं। पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अनेक कदम उठाए और अमृत काल के दौरान तो और भी अधिक जोरदार प्रयास किए। अनुसूचित क्षेत्रों तक पंचायत का विस्तार पीईएसए अधिनियम का कार्यान्वयन उन प्रमुख कदमों में शामिल है। इस अधिनियम के माध्यम से, हमने एक मजबूत प्रणाली स्थापित की है, जिसमें देश के कुछ हिस्सों में सक्रिय पारंपरिक पंचायतों को उनके नियमों और विनियमों के अनुसार मान्यता दी जाती है। हमारी सरकार के निरंतर प्रयासों से, अधिकांश राज्यों ने पीईएसए अधिनियम को लागू कर दिया है और हम शेष राज्यों को इसे लागू करने के लिए लगातार प्रोत्साहित कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में, हमने ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न बुनियादी ढांचे की आवश्यकताओं और विकास की गतिविधियों का समर्थन करने को लेकर पंचायती राज संस्थाओं ने वित्तीय संसाधनों के आवंटन में एक ऊंची छलांग लगाई है। हम पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत और सशक्त बनाने के लिए कई पहल कर रहे हैं, पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों की भूमिका और जिम्मेदारियों को पूरा करने की उनकी क्षमता में वृद्धि और समावेशी विकास, आर्थिक विकास और सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के अनुरूप लक्ष्यों को हासिल करने में योगदान देने के लिए पंचायती राज संस्थाओं की कार्यकुशलता, कामकाज की पारदर्शिता और जवाबदेही में सुधार करने के लिए कई पहल कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जी का विजन है कि हमें पंचायतों को सशक्त बनाने के साथ-साथ आत्मनिर्भर भी बनाना है। हमारा प्रयास है कि पंचायती राज संस्थाएं अपनी आवश्यकताओं का स्व-मूल्यांकन करते हुए जनभागीदारी से शासकीय योजनाओं की धनराशि के साथ-साथ राजस्व के अपने स्त्रोत विकसित करें तथा उन निधियों से पंचायतों की अपनी आवश्यकताओं के अनुसार योजनाओं का क्रियान्वयन करें और निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर हों। ग्राम सभा केंद्रीय होने के साथ-साथ स्थानीय स्वशासन का अभिन्न अंग है और साथ ही ग्राम सभा पंचायतों के पारदर्शी और जवाबदेह कामकाज के लिए बहुत आवश्यक है। हमारी सरकार सभी हितधारकों को शामिल करते हुए ग्राम सभाओं को जीवंत संचालन के लिए प्रोत्साहित करती रही है।

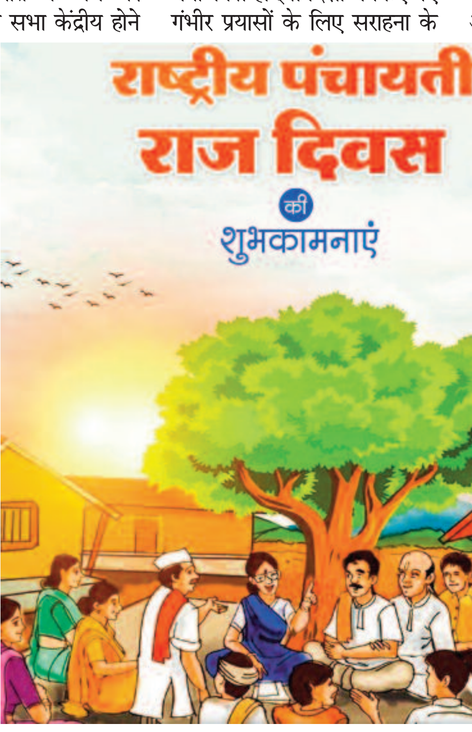

केंद्र सरकार का यह निरंतर प्रयास रहा है कि 73वें संविधान संशोधन के बाद पंचायती राज संस्थाओं को न केवल राज्यों द्वारा उन्हें आवंटित 29 विषयों के क्षेत्र में सशक्त किया जाए, बल्कि उन्हें क्रियात्मक भी बनाया जाए। कई राज्यों ने इस दिशा में बेहतर प्रयास किए हैं। जम्मू-कश्मीर प्रशासन, विशेष रूप से जम्मू-कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा इस दिशा में किए गए गंभीर प्रयासों के लिए सराहना के पात्र हैं। इसी प्रकार, अन्य राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को भी पंचायती राज संस्थाओं के सशक्तिकरण के लिए ठोस प्रयास करने चाहिए।

केंद्र सरकार ने सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के स्थानीयकरण और इसके लिए ग्राम पंचायत की विकास योजनाओं (जीपीडीपी) के पुनर्गठन पर स्थानीय स्तर पर काम करने के लिए पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित प्रतिनिधियों और विभिन्न पदाधिकारियों की शासन क्षमता के निर्माण और प्रशिक्षण पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। उल्लेखनीय है कि 2022-23 तक लगभग सभी ग्राम पंचायतें और समकक्ष निकाय अपनी जीपीडीपी तैयार कर चुके हैं।

स्थानीय शासन में दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही लाने के लिए, पंचायती राज मंत्रालय ने %योजना से भुगतान% तक सभी गतिविधियों के लिए डिजिटल मोड में ई-ग्रामस्वराज एप्लिकेशन जैसे डिजिटल समाधान प्रदान करने वाली पंचायतों का डिजिटलीकरण सुनिश्चित किया है। जीईएम पर पंचायतों द्वारा वस्तुओं और सेवाओं की खरीद की नवीनतम पहल है, जिसे आज रीवा, मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री द्वारा लॉन्च किया जा रहा है। पंचायत खातों के ऑनलाइन ऑडिट के लिए ऑडिटऑनलाइन एप्लिकेशन विकसित किया गया है। इस प्रकार, %न्यूनतम सरकार और अधिकतम शासन% के आदर्श वाक्य के साथ ई-गवर्नेंस की पहल स्थानीय सरकार तक पहुंच गई है, जो हमारी सरकार का एकमात्र योगदान है, क्योंकि हमारे प्रधानमंत्री ने अप्रैल 2020 में ई-ग्रामस्वराज एप्लिकेशन लॉन्च किया था।

पीएम स्वामित्व योजना, हमारे प्रधानमंत्री का एक अभिनव विचार, संपत्ति कार्ड जारी करने के माध्यम से गांव के परिवारों के मालिकों को %रिकॉर्ड ऑफ राइट्स% प्रदान करता है। अधिकार का रिकॉर्ड ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति के मुद्रीकरण में गेम चेंजर साबित हो रहा है, इसके अलावा पंचायतों को निकट भविष्य में अपने स्वयं के राजस्व के स्त्रोतों को बढ़ाने के प्रयास में संपत्ति कर का आकलन और संग्रह करने में सक्षम बनाता है।

पंचायती राज मंत्रालय ने अन्य मंत्रालयों की योजनाओं को मिलाकर और राज्यों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में सक्रिय जनभागीदारी और इसके पुनर्वितरण से 'आजादी का अमृत काल' के दौरान पंचायती राज संस्थाओं के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता के अपने लक्ष्य की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है।

इस राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर, मैं सभी निर्वाचित प्रतिनिधियों और पंचायती राज संस्थाओं के पदाधिकारियों को बधाई देता हूं और पंचायत विकास की नई ऊंचाइयों को छूने के लिए शुभकामनाएं देता हूं।

गिरिराज सिंह

अनोखा मिलन

बेटी के एडमिशन के लिए स्कूल आई मधुलिका एक बड़े से हॉल में पड़ी कुर्सियों में एक किनारे बैठ गई थी। तभी उसकी नजर अपनी कालेज में साथ पढ़ने वाली सहेली नीरजा पर पड़ी। नीरजा ने भी उसे देख लिया था। दोनों ही एक-दूसरे को देख कर बहुत खुश हुईं। नीरजा अपनी जगह से उठी और मधुलिका के बगल में बैठते हुए बोली, ÷तुम दिल्ली से यहां कब शिफ्ट हो गई?÷

÷अरे यार लंबी कहानी है।÷ मधुलिका ने कहा, ÷तुम्हें तो पता ही था कि कालेज के समय मैं और आरव एक-दूसरे को प्यार करते थे। आरव दिल्ली के एक बड़े बिजनेसमैन का बेटा था। लेकिन वह पंजाबी था, इसलिए मेरी मम्मी और पापा को यह रिश्ता पसंद नहीं था। उन्हें मेरे लिए मेरे पापा के दोस्त का बेटा मिलन पसंद था। उन्हें यह भी पता था कि मिलन मुझे पसंद करता है।

÷पर मेरी जिद के आगे उन्हें झुकना पड़ा और मजबूर हो कर उन्होंने मेरा विवाह आरव के साथ कर दिया। विवाह के बाद कुछ दिनों तक तो सब ठीक रहा। पर उसके बाद आरव और मुझमें झगड़ा होने लगा। विवाह के पहले मीठी लगने वाली आदतें अब कड़वी लगने लगी थीं। वह मुझ पर हाथ भी उठाने लगा था। आखिर परेशान हो कर मैं मम्मी-पापा के पास लखनऊ आ गई।

÷लखनऊ आने पर पता चला कि डिलीवरी के समय मिलन की पत्नी की मौत हो गई थी। वह बेटी को ले कर बहुत परेशान और दुखी रहता है। यह सुन कर मैं हतप्रभ रह गई। मैं उससे मिलने उसके घर गई। दरवाजा उसकी मम्मी ने खोला। मुझे उन्होंने प्यार से बैठाया। वह मेरे लिए पानी ले कर आईं तो उनके पीछे-पीछे दो साल की एक बच्ची भी थी। मैंने उसे गोद में उठा कर पुचकारते हुए उसका नाम पूछा। उसका नाम सुन कर मैं हैरान रह गई।

÷उसका नाम मधुलिका था। मिलन की मम्मी ने कहा कि मेरे प्यार को यादगार बनाए रखने के लिए ही मिलन ने बेटी का नाम मधुलिका रखा था। मिलन के सच्चे प्यार को न पहचान पाने का मुझे बहुत पछतावा हुआ। अपनी गलती को सुधारने के लिए मैंने मिलन के सामने विवाह का प्रस्ताव रखा। फिर हम दोनों ने दूसरी बार विवाह कर लिया।

वीरेंद्र बहादुर सिंह
नोएडा
उत्तरप्रदेश

चाहत फिर से आज हुई

बहुत दिनों के बाद आज फिर
मेरी उनसे बात हुई
हुई शिकायत वाली बातें
फिर मीठी तकरार हुई..।।
दोषारोपण इक दूजे पर
हमने खूब लगाया आज
अपनेपन से छलकी आंखें
जमकर खूब बरसात हुई..।।
एक दूजे के बिन बीते जो
चर्चा उस पर खूब हुई
क्यों थे इतने दूर भला तुम
पूछताछ फिर आज हुई..।।
कब से थे हम खोए-खोए
एक दूजे की बातों में
भूल गए हम सभी शिकायत
पहले जैसी बात हुई..।।
वादा करते हैं हम तुमसे
फिर ना कभी सताएंगे
तुम भी देना साथ हमेशा
चाहत फिर से आज हुई..।।
चाहत फिर से आज हुई..।।

विजय कनौजिया
जनपद
अम्बेडकर नगर
उत्तरप्रदेश

पिता परमात्मा है

तपती गर्मी में पिता का खून,
पसीना बन टपकता है।
हथेली और पैरों के छाले, दुःख
की गाथा कहता है।।
अपनों के भविष्य बनाते, मिट गयी
हाथों की रेखाएँ।
रात में दर्द से चीख उठती है, मन
की सारी आशाएँ।।
जवानी में बुढ़ापा आया, सफेद हो
गये शरीर के बाल।
पेट की आग बुझाने में, खुद का
नहीं है कुछ ख्याल।।
बह रही है आँखों से आँसू, वजन
से फुल रही है साँसें।
चेहरे पर मेहनत की झुर्रियाँ, पीड़ा
की करती है बातें।।
जिम्मेदारी का भारी बोझ से, झुक
गयी कमर की हड्डी।
जीवन भर काम करके, कुटुंब
समर्पित नोटों की गड्डी।।
इच्छाओं को दफन कर, अपनी
खुशी बच्चों को दिया।
प्यार भरी मीठी बातें करके, सबके
मन को मोह लिया।।
नींव के पत्थर बनकर, घर को
स्वर्ग से सुंदर सजाया।
नैतिकता और संस्कार पूँजी,
सकर्म का पाठ पढ़ाया।।
देख तुम्हारे त्याग और बलिदान
को करता हूँ प्रणाम।
मुझे जन्म देने वाले परमपिता
परमात्मा तुझे सलाम।।

अशोक कुमार यादव
मुंगेली,
छत्तीसगढ़

पंखुड़ियाँः सुगंध बिखेरती रचनाओं का सुखद संसार

कविता व्यक्ति को रचती है, एक दृष्टि देती है। एक रचनाकार अपने परिवेश से सोये कथ्य के धागे उठाकर समय के करघे पर शब्दों के ताने-बानों से उस स्वप्निल लोक अंबर की बुनावट करता है जहाँ मानवता का पल्लवन हो सके। जहाँ संवेदनाओं का स्वर मुखरित हो, जहाँ परस्पर विश्वास और न्याय के नवल आयाम स्थापित हो सकें, जहाँ विश्व तमाम सीमाओं, कुंठाओं एवं अंतर्विरोधों से परे केवल और केवल मानवता के पक्ष में खड़ा दिखाई दे, जहाँ शांति एवं सौहार्द की निर्मल धारा प्रवहमान हो।

कामायनी प्रकाशन प्रयागराज से 2022 में प्रकाशित शिक्षिका प्रतिमा यादव की प्रथम काव्य कृति ÷पंखुड़ियाँ÷ में सम्मिलित रचनाएँ उस विश्वास को पोषण देती हैं जो बेहतर परिवेश रचने के लिए अपने हिस्से का काम बहुत गम्भीरता एवं कर्मठता से कर रहा है। इन कविताओं का कथ्य विस्तार व्यापक है। प्रकृति, पर्यावरण की रक्षा एवं समृद्धि के लिए आह्वान है तो बेटी को बचाने-पढ़ाने एवं आगे बढ़ाने का प्रखर संदेश भी। अतीत के पृष्ठ बाँचती वाणी है तो सुखद भविष्य के दृश्य देखते नयन भी। बचपन की खट्टी-मिट्ठी स्मृतियाँ हैं तो वर्तमान के संघर्ष का चित्रण भी। हिन्दी भाषा के प्रति आत्मीयता के चटख रंग हैं तो छात्राओं की अभिलाषा का मृदुल स्वर भी। प्रतिमा यादव की दृष्टि से कोई क्षेत्र छूटा नहीं है। उन्होंने समय के पदचाप की आहट को न केवल सुना है बल्कि उभरते भावों को अनुभव के धागों में पिरोकर बुना भी है। इसीलिए कोरोना काल भी उनकी कविताओं का विषय बना है।

प्रतिमा यादव कविता को मन के भावों का सहज प्रकटीकरण मानते हुए कहती हैं -
व्यक्ति के अंतर्मन का उद्गार है कविता।
जनमानस की प्रेरणा का आधार है कविता।।

कवयित्री शब्द की शक्ति एवं सामर्थ्य को खूब समझती हैं और शब्दों के उचित बर्ताव का संकेत भी करती हैं,
शब्द ही करते हैं आपको भाव विह्वल।
और शब्दों से ही होता है मन कलुषित।।
- (शब्दों की कीमत)

आलस्य एवं प्रमाद से लक्ष्य प्राप्त सम्भव नहीं। जीवन में सफलता एवं उपलब्धियाँ प्राप्त करने के लिए सतत संघर्ष आवश्यक होता है। तभी वह जीवन में सतत कर्मरत रह संघर्ष को प्रेरित करती हैं। सुंदर पंक्तियाँ देखिए -
हमने दिये को सदा जलते हुए देखा है।
सूरज को सदा तपते हुए देखा है।संघर्ष करने वालों को हमने, आसमान छूते देखा है।।

और एक अन्य कविता हौसले में अवसरों की तलाश करने वालों का वंदन करते हुए कहती हैं कि, जिनके हौसले बड़े होते हैं
भाग्य के बड़े तगड़े होते हैं।
जो अवसरों की तलाश करते हैं वक्त भी उनका सत्कार करते हैं।

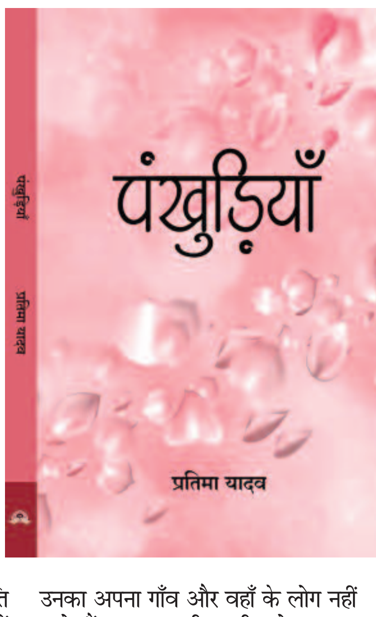

शहर में आकर भी रचनाकार को उनका अपना गाँव और वहाँ के लोग नहीं भूले हैं। वह उनकी कमी को महसूस करती हैं। तभी तो गाँव को स्मरण करते हुए लिखती हैं -
मेरे गाँव के लोग
हैं भोले-भाले और सीधे-सादे
सदाचार को सभी अपनाते।

वहीं बालिकाओं के मन की बात लेखनी के माध्यम से व्यक्त करती हैं कि,
हम कन्या और किशोरी हैं
हम ईश्वर के माथे पर सजी
चंदन व रोली हैं
हम गंगा हैं, यमुना हैं
और पावन सलिल त्रिवेणी हैं।

अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर अभिभावकों को बालिकाओं के प्रति उनके कर्तव्य की ओर ध्यान दिलाती हैं तो आजादी के अमृत महोत्सव पर नील गगन में फहराते लाखों तिरंगा झंडों के सुंदर दृश्यों का अंकन भी करती हैं। वह जीवन में सतत गतिमान रहने में विश्वास करती हैं। इसीलिए अपनी %कविता चल जिंदगी थोड़ा और चलते हैं% में मन के भाव साझा करती हैं कि,
चल जिंदगी थोड़ा और चलते हैं जहाँ
थोड़ा सुकून मिले
ऐसी जगह ढूँढ़ते हैं
आधुनिकता की अंधी दौड़ में थोड़ा
ठहराव ढूँढ़ते हैं
चल जिंदगी थोड़ा और चलते हैं।

अपनी रचना अनोखे रिश्ते में वह लिखती हैं -
जीवन में कुछ लोगों के साथ
अनोखे रिश्ते भी
होते हैं इस तरह
सूरज के साथ दिन का सफर
दिये के साथ रोशनी का सफर होता है
जिस तरह।

कवियत्री प्रतिमा यादव शिक्षिका हैं, इसलिए पुस्तक में विद्यार्थियों और शिक्षकों से जुड़ी हुई रचनाएँ भी शामिल हैं। उन्होंने पारंपरिक पर्व एवं त्योहारों पर लिखा है तो माँ, बेटी एवं बेटा के आत्मीय संबंधों पर भी। रचनाओं में देश का गौरव गान है तो लेखनी की अपरिमित शक्ति का वर्णन भी। मनुष्य की कर्तव्य निष्ठा को प्रणाम निवेदित किया गया है तो कीमती वक्त की पहचान करने की सीख भी।

कविता के रचना पथ पर प्रतिमा यादव ने अपना पहला पग ही रखा है। स्वाभाविक है कविता के व्याकरण, छंद विधान, बिंब एवं प्रतीक योजना, शब्द शक्ति एवं रस अलंकार आदि पर पकड़ दृढ़ नहीं है किंतु रचना शिथिल होकर धारा से भटकी भी नहीं है। भावों की प्रबलता है जो पाठकों को बाँधे रखेगी।

शिक्षिका एवं कवयित्री प्रतिमा यादव कविता के फलक पर अपना सशक्त उपस्थिति दर्ज कराने के लिए प्रथम काव्य कृति %पंखुड़ियाँ% के द्वारा दस्तक दे दी है। उनकी कविताओं का स्वर मानवीय संवेदना से युक्त है, ममता-समता एवं करुणा से ओतप्रोत है। उनकी कविताओं में जीवन के रंग एवं आहट है। उनमें नैराश्य एवं कुंठा के धुँधले चित्र नहीं बल्कि प्रेरणा, आशा एवं विश्वास के मोहक चित्र पूरी ऊर्जा एवं स्निग्धता के साथ उभरे हैं। मुझे विश्वास है, भविष्य में उनकी रचनाधर्मिता भाव एवं संवेदना के स्तर पर अधिक प्रखर होकर प्रकट होती रहेगी। वास्तव में %पंखुड़ियाँ% सुगंध बिखेरती रचनाओं का सुखद संसार रचती हैं। कामायनी प्रकाशन, प्रयागराज से 2022 में प्रकाशित %पंखुड़ियाँ% पुस्तक का मुद्रण नेचुरल शेड येलो पेपर पर साफ-सुथरा और आँखों को सुख देने वाला है। आवरण राज भगत का है। मूल्य उचित प्रतीत होता है। मेरा मानना है कि साहित्य जगत में कृति को यथोचित सम्मान मिलेगा ही, साथ ही सुधी पाठकों का मन भी सुवासित करेगी।

प्रमोद दीक्षित मलय
बाँदा
उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में दलित वोट किसके ?

अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव से पूर्व समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के बीच दलित-मुस्लिम वोटों को लेकर रार बढ़ने लगी है, जिस तरह से दोनों दलों के नेता एक-दूसरे के वोट बैंक में सेंधमारी की कोशिश में लगे हैं, उससे तो यही लगता है कि अब शायद ही सपा-बसपा प्रमुख एक साथ 2019 की तरह लोकसभा चुनाव लड़ना तो दूर एक मंच पर भी खड़े नजर नहीं आएंगे। बसपा प्रमुख मायावती समाजवादी पार्टी के मुस्लिम वोट बैंक में तो समाजवादी प्रमुख बसपा के गैर जाटव दलितों पर नजर जमाये हुए हैं। दरअसल, बसपा सुप्रीमो मायावती दलितों में जाटव बिरादरी से आती हैं तो सपा प्रमुख अखिलेश की सबसे मजबूत पकड़ यादव वोटरों पर हैं।

सपा-बसपा की सियासी जंग में भाजपा तीसरा कोण बनी हुई। है। उसकी भी नजर गैर जाटव दलितों और गैर यादव पिछड़ों दोनों पर लगी हुई है। दलितों में जाटव की आबादी अधिक होने के साथ समाज में सबसे प्रभावशाली भी है। इसीलिए सपा गैर-जाटव दलित वोट बैंक को लुभाने की कोशिश में लगी हुई है। इस वोट बैंक पर भाजपा की भी नजर है। साथ ही सपा मायावती को सीधे निशाना साधने से बच रही है। हालांकि वह यह संदेश देने की कोशिश जरूर कर रही है कि मायावती परोक्ष रूप से भाजपा को फायदा पहुंचा रही हैं। सपा के इस दोहरे रवैये से बसपा सुप्रीमो का पारा चढ़ा हुआ है। उस पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा कांशीराम जयंती मनाने ने आग में घी डालने का काम किया। अखिलेश यादव के दांव से तिलमिलाई मायावती ने उनके खिलाफ गेस्ट हाउस काण्ड वाला इमोशनल कार्ड चला है ।

उत्तर प्रदेश में लोकसभा की 80 सीटें दांव पर हैं। वैसे बता दें कि जाटव समाज तो अभी भी मायावती के साथ है। पर पासी, वाल्मीकि, धोबी और सोनकर जैसे दलित जाति के लोग कहीं समाजवादी पार्टी के साथ तो कहीं बीजेपी के साथ हैं। अखिलेश ये साबित करने में जुटे हैं कि बीजेपी को हराने के लिए दलित अब मायावती नहीं उनका समर्थन करें। इसीलिए अखिलेश कभी कहते हैं कि मैं शूद्र हूँ, फिर आगे कहते हैं कि बीएसपी के उम्मीदवारों की लिस्ट तो बीजेपी ऑफिस से आती है। अखिलेश अब मायावती को बीजेपी की बी टीम बताने में लगे हैं। अगर इसमें वे कामयाब रहे तो फिर एंटी बीजेपी दलित वोट उनके साथ जुड़ सकता है। वैसे अखिलेश यादव ने यही प्रयोग 2019 के लोकसभा चुनाव में किया था। बीएसपी के साथ गठबंधन कर उन्होंने बड़ा दांव चला था। इससे समाजवादी पार्टी को तो कोई फायदा नहीं हुआ। लोकसभा में उनके सांसदों की संख्या 5 ही रही। पर मायावती को इसका फायदा मिल गया। 2014 के चुनाव में बीएसपी का तो खाता तक नहीं खुला था। पर समाजवादी पार्टी के गठबंधन में उसने 10 सीटें जीत लीं थीं। बहरहाल, उत्तर प्रदेश की राजनीति में यूं तो यादव और गैर यादव ओबीसी की अहमियत हमेशा रही है, लेकिन कुछ वर्षों पूर्व तक ओबीसी को इस तरह अलग-अलग करके नहीं देखा जाता था। भाजपा ने सबसे पहली बार यूपी में कुर्मी जाति के नेता कल्याण सिंह को आगे करके पिछड़ों में यादव के राजनैतिक वर्चस्व को तोड़ने का काम किया था, तभी वह 1991 में सत्तारुढ़ हुई तो कल्याण सिंह को मुख्यमंत्री बनाया गया था। इसी के बाद समय-समय पर गैर यादव ओबीसी मुलायम सिंह दूसरी बार 1993 में मुख्यमंत्री बन गए, लेकिन यह कोशिश बहुत लम्बी नहीं चल पाई। इसी बीच स्टेट गेस्ट हाउस कांड हो गया, जिसमें मायावती को जान के लाले पड़ गए और भाजपा नेताओं ने उन्हें बचाने का काम किया था। इसके 26 वर्षों बाद 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा का गठबंधन हुआ था, जो कुछ माह बाद ही टूट गया था। आज स्थिति यह है कि यूपी में बसपा सुप्रीमो मायावती और सपा प्रमुख अखिलेश यादव का ध्यान मोदी के रथ को रोकने से अधिक अपनी आपसी दुश्मनी निपटाने पर ज्यादा है, जिसका फायदा उठाने का शायद ही कोई मौका भाजपा छोड़ेगी ।

अजय दीक्षित

दोहरी भूमिका

बहू...! तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई अपनी सीमा लाँघने की। तुम कौन हो, क्या हो , तुम्हें समझना चाहिए। जाओ, घर के अंदर; और हाँ, आज अपने कमरे से बाहर नहीं निकलना। नंदा जी ने अपनी मँझली बहू ऋतु को आँखें तरेरती हुई बोली। सासू माँ की दबंगई देख ऋतु काँप गयी। झट से वह कमरे के अंदर चली गयी। दोष उसका इतना था कि उसने बार-बार मना करने पर भी होली है भाई होली है...बुरा न मानो होली है...मँझली भाभी होली है... कहते हुए अपनी ननंद प्रिया को अपने माथे व दोनों गालों पर गुलाल लगवाने से नहीं रोक पाया था। तुरंत प्रिया बोली- माँ जी ! आखिर मँझली भाभी के लिए इतना पाबंदी क्यों? वह भी तो जीती-जागती इंसान है, कोई बेजान वस्तु तो नहीं। गीतू..., तू भी इधर आ। दिन भर मम्मी से चिपकी रहती है। चल मैं तुम्हें तुम्हारी सहेलियों के पास ले चलती हूँ होली खेलने।

प्रिया गीतू को लेकर घर से निकल ही रही थी कि नंदा जी ने प्रिया की बाँह पकड़ कर उसे झटकारा- ÷बेवकूफ लड़की, अब तू इतनी बड़ी हो गयी कि मुझसे जुबान लड़ाएगी; मुझे समझाएगी। इस घर में किसे क्या करना है; ये मैं तय करूँगी, तू नहीं; समझी। नंदा जी का तेवर देख घर के सभी सदस्य दुबक गये। किसी ने भी कुछ कहना उचित नहीं समझा। बरामदे पर खड़ी नंदा जी फूँकार रही थी- हाँ...., सभी ध्यान से सुनें मेरी बात। ऋतु होली के रंग-गुलाल से बिल्कुल दूर रहेगी, क्योंकि वह विधवा है। जिसका पति नहीं, उसका कुछ नहीं। यह सब व्यर्थ है उसके लिए। उसे अपने तन तो क्या, आँचल को भी रंगने से बचाना है। सादे लिबास का दायरा ही अब उसका घर-संसार है।नंदा जी खामोश हुई।

दूसरे दिन भाईदूज था। मालवीय नगर के लोहिया कॉलोनी में महिलाओं ने होली मिलन समारोह का आयोजन किया। उस भव्य समारोह में चीफ गेस्ट थी- मिसेज़ नंदा ठाकुर। उनका चीफ गेस्ट होना लाजिमी था; महिला बाल विकास समिति का अध्यक्ष जो थी। फुलमालाओं से लदी मिसेज़ नंदा जी अपने मुख्यातिथ्य उद्बोधन में कह रही थीं- मेरी प्यारी बहनों! हम इक्कीसवीं सदी की महिलाएँ हैं। हम भी स्वतंत्र भारत के स्वतंत्र नागरिक हैं। वो दिन अब हवा हुए, जब औरतें परवश होकर जीवन जीया करती थीं। अब हर घर की औरत , चाहे वो किसी भी उम्र की हो, चाहे वो बेटी हो , बहू हो; और चाहे वो किसी भी परिस्थिति में हो, उन्हें स्वतंत्र जीवन जीने का पूर्ण अधिकार है। बहनों, हमारी सरकार का बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के अनुरूप हमें अपना कार्य करना है। अब हमें हर बेटी, चाहे वो उम्रदराज कुवाँरी, परित्यक्ता या फिर विधवा बहू हो, सबको मानवीय जीवन जीने का हक दिलाना है, तभी हर बेटी, हर बहू, हर माँ को समाज में यथोचित सम्मान मिल पाएगा।

मिसेज़ नंदा जी की विचाराभिव्यक्ति जारी ही थी; तभी अचानक वह प्रिया को तेज कदमों के साथ अपनी ओर आते देख सहम गयी; और फिर झट से इतना कह कर मैं अपनी वाणी को विराम देती हूँ, कहते हुए बैठ गयी।

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
घोटिया - बालोद (छ.ग.)

हम इंसानियत भूल गये

मेरे सपनों का भारत
और सोने की चिड़िया को
किसकी बुरी नजर लग रही है।
ज्योतिष-विद्या,ज्ञान-विज्ञान की
विश्व गुरु की छबि
क्यों धूमिल हो रही है।
सेवा-शान्ति,धर्म,आस-विश्वास पर
क्यों कर अब ग्रहण लग रही है।
अतिथि देवो भवः,वसुधैव कुटुम्बकम,
का यह भाव क्यों विलुप्त हो रही है।
धर्म जाति और मुल्क के नाम पर
क्यों अत्याचार और हिंसा हो रही है।
किसी धर्म ने यह नही कहा है
आपस में बैर और नफरत करो
तो फिर घृणित वारदातें क्यों हो रही है।
इंसान, इंसानों का दुश्मन हो गया है
और मानवता क्यों तार-तार हो रही है।
देश का माहौल क्यों भंग हो रहा है
इंसानों में नफरतें क्यों सुलग रही है
शायद !हम इंसानियत भूल गये हैं !
इंसानों में यह बड़ी भूल क्यों हो रही है।

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायन
छत्तीसगढ़

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

बारातियों से भरा पिकअप पलटा,12 वर्षीय बालक की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 24 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जजगा के पास रविवार की रात करीब 2 बजे बारातियों से भरा पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में पलट गया। हादसे में एक किशोर सहित दर्जन भर बाराती घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए उदयपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां गंभीर रूप से घायल एक बालक को चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां जांच के दौरान सोमवार की सुबह चिकत्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जानकारी के अनुसार रविवार को उदयपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बासेन से ग्राम मेंड्राकला भिठ्ठी में बारात आई थी। रात करीब 2 बजे डेढ़ दर्जन बाराती पिकअप सवर होकर वापस जाने निकले थे। रास्ते में लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम जजगा मेन रोड में मंदिर से पहले पहुंचे ही थे की पिकअप अनियंत्रित हो गई और सडक़ किनारे खेत में पलट गया। पिकअप पलटते ही चिखपुकार मच गई। दुर्घटना में एक किशोर सहित दर्जन भर बाराती घायल हो गए। बारातियों में से ही किसी ने संजीवनी 108 को घटना की जानकारी दी और संजीवनी 108 से सभी घायलों को इलाज के लिए उदयपुर अस्पताल ले जाया गया। यहां गंभीर रूप से घायल ग्राम बासेन निवासी 12 वर्षीय दिलदार सिंह आर्मो पिता कांशी राम आर्मो को चिकित्सकों ने बेतहर इलाज के लिए अबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां सोमवार की सुबह उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया गया। यहां जांच के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

शेयर बाजार में रुपए लगाने का झांसा देकर 12 लाख 65 हजार की ठगी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 24 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

शेयर बाजार में रुपए लगाकर अधिक फायदा कमाने का झांसा देकर लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के एक ग्रामीण से 12 लाख 65 हजार रुपए की ऑनलाइन ठगी की गई है। पीड़ित ने मामले की रिपोर्ट लुण्ड्रा थाने में दर्ज कराया है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार धौरपुर के ग्राम भेड़िया के रहने वाला मुलायम सिंह यादव पिता महेश्वर यादव वर्तमान में लुण्ड्रा थाना अंतर्गत ग्राम बटवाही के यादव पारा में परिवार सहित रहता है। प्रार्थी ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया है कि फरवरी माह में उसके मोबाइल पर एक महिला का फोन आया जिसने अपना नाम प्रभा श्रीवास्तव बताया था। महिला द्वारा स्वयं को द एफएक्स वर्ल्ड नामक एक कंपनी का प्रोपराईटर बताया और कहा कि कंपनी द्वारा शेयर बाजार में जानकारों के माध्यम से रुपए लगाए जाते हैं। महिला ने ग्रामीण को भी रुपए लगाकर मुनाफा कमाने का झांसा दिया। उसकी बातों में आकर मुलायम सिंह यादव ने एक माह के भीतर ही अपने परिचितों व रिश्तेदारों से उधार रुपए लेकर चौदह बार में 12 लाख 65 हजार 200 जमा करा दिए। इसके बाद महिला का मोबाइल नंबर बंद हो गया। फिर दूसरे ठग ने भी ग्रामीण को ठगने की नियत से स्वयं को कंपनी का बड़ा अधिकारी बताकर और रुपए डालने पर जमा रकम देने की बात कही परन्तु ज्यादा रुपए देकर फंस चुके ग्रामीण ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। जिसपर लुण्ड्रा पुलिस ने मामले में आरोपी के विरूद्ध धारा 420 के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

हॉल जिनोम सिक्वेंसिंग से 3 मामले पाए गए ओमिक्रॉन एक्सबीबी.1.16 स्ट्रेन

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 24 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

कोरोना संक्रमण की रफ्तार बढऩा शुरू हो गया है। पिछ्ले 15 दिन के अंदर अब तक 362 पॉजिटिव पाए गए हैं। वहीं सबसे गंभीर बात यह है कि हॉल जिनोम सिक्वेंसिंग से 3 मामले ओमिक्रॉन एक्सबीबी.1.16 स्ट्रेन के पाए गए हैं। हालांकि स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि डरने की कोई बात नहीं है। लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। कोविड नियमों का पालन अनिवार्य रूप से करें। यह देश भर में पाया जाने वाला स्ट्रेन ही है।

सरगुजा में भी हॉल जिनोम सिक्वेंसिंग से 3 मामले ओमिक्रॉन एक्सबीबी.1.16 स्ढेन के पाए गए हैं। मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर के डीन डॉ. रमनेश मूर्ति ने बताया कि 15 अप्रैल को आरटीपीसीआर लैब से 46 कोविड-19 के पॉजिटिव सैंपल को होल जिनोम सिक्वेंसिंग (डब्ल्यूजीएस) से ओमिक्रॉन एक्सबीबी.1.16 स्ढेन के पाया गया है। जिसमें दो जशपुरनगर व एक मोरगा का है। यह देशभर में पाए जाने वाला स्ट्रेन ही है। डीन ने बताया कि लोगों को इस स्ढेन से डरने की नहीं बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है। लोग कोविड नियमों का पालन अनिवार्य रूप से करें। मास्क पहनने की आदद डालें और हाथ साबुन से समय-समय पर धोते रहें।

श्रीमद भागवत में शामिल हुए नेता

- संवाददाता -
सूरजपुर,24 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत गोकुलपुर के अंतर्गत दीया गढ़ के गोवर्धन पर्वत में भागवत महापुराण कथा में पहुंचे पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के जिला अध्यक्ष महेंद्र साहू अष्टमी के दिन पहुंचकर विधिवत पूजा अर्चना किया तथा सभी क्षेत्र वासियों के लिए सुख समृद्धि एवं खुशहाली हेतु भगवान से प्रार्थना किया साथ में पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के जिला सचिव वागीशा देवांगन ब्लॉक अध्यक्ष समरथ प्रजापति उपाध्यक्ष संतोष दास ,विवेक प्रताप सिंह सूरज मनी सिम्मी मनी संजय दास एवं कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ताईक्वांडो में आरूषि को मिला ब्लैक बेल्ड का प्रमाण-पत्र

- संवाददाता -
अंबिकापुर,24 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

ताइक्वांडो क्लब पुलिस लाइन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्रा आरूषि कश्यप को ब्लैक बेलड प्रमाण पत्र मिला है। यह प्रमाण पत्र ताइक्वांडो हेड क्वार्टर साउथ कोरिया कुकी वन से प्राप्त हुए है। उक्त प्रमाण पत्र को सरगुजा एसपी भावना गुप्ता ने अपने हाथों सौंपा है और बधाई दीं हैं। ताइक्वांडो क्लब पुलिस लाइन में प्रशिक्षक राधेश्याम माणिकपुरी द्वारा प्रति दिन ताइक्वांडो का प्रशिक्षण दिया जाता है। ताइक्वांडो क्लब में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे बच्चों को बैंगलुरू से आए नेशनल ट्रेनर द्वारा ट्रेनिंग दी गई थी। वहीं 20 प्रतिभागियों ने ब्लैक बेल्ड के लिए आवेदन किया था। जिसमें पहले चरण में आरूषि कश्यप को प्रमाणपत्र ताइक्वांडो हेड क्वार्टर साउथ कोरिया कुकी वन से आया है।

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे सचिव संघ का क्रमिक भूख हड़ताल हुआ शुरू

- संवाददाता -
लखनपुर,24 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

पंचायत सचिव संघ 16 मार्च से प्रदेश भर में शासकीयकरण मांग को लेकर काम बंद कलम बंद अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे हैं। सचिवों के हड़ताल में चले जाने से पंचायत का कार्य पूरी तरीके से ठप पड़ चुका है जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अनिश्चितकालीन हड़ताल के 39वे दिन छत्तीसगढ़ पंचायत सचिव संघ के प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर 24 अप्रैल दिन सोमवार से शासकीयकरण मांग को लेकर धरना स्थल पर सचिवों ने क्रमिक भूख हड़ताल प्रारंभ किया गया है। जिसे लेकर पंचायत सचिव संघ के प्रदेश महामंत्री उपेंद्र सिंह पैकरा जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता के मार्गदर्शन में ब्लॉक अध्यक्ष जयपाल साहू के नेतृत्व में सचिवों के द्वारा क्रमिक भूख हड़ताल को लेकर लखनपुर तहसीलदार श्रीमती गरिमा ठाकुर, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पी एस मार्को, मुख्य कार्यपालन अधिकारी वेद प्रकाश पांडे को ज्ञापन सौंपा है। सचिव संघ ब्लॉक अध्यक्ष जयपाल साहू ने मीडिया कर्मियों से चर्चा करते हुए कहा कि 28 वर्षों से सचिवों द्वारा शासकीयकरण को लेकर सरकार से मांग की जा रही है। परंतु सरकार के द्वारा मांगे पूरी नहीं की गई है। जिसे लेकर समय-समय पर प्रदेष भर में सचिवों द्वारा काम बंद कलम बंद अनिश्चितकालीन हड़ताल किया जाता रहा है सरकार के आश्वासन पश्चात हड़ताल समाप्त कर लिया जाता है परंतु विगत माह पूर्व सरकार के द्वारा मांगे पूरी करने को लेकर आश्वासन दिया गया था परंतु सरकार के द्वारा मांगे पूरी नहीं की गई।जिसके बाद 16 मार्च से प्रदेश भर में अपने एक सूत्रीय मांग शासकीय करण को लेकर हड़ताल पर है। उन्होंने कहा कि 24 अप्रैल दिन सोमवार से क्रमिक भूख हड़ताल शुरू किया गया है। अलग-अलग दिनों में क्रमिक भूख हड़ताल में सम्मिलित होने सचिवों की सूची तैयार कर अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया है। क्रमिक भूख हड़ताल में शामिल हुऐ सचिव घनश्याम सिंह, चंद्रिका प्रसाद राजवाड़े भगवान दास, शिवभरोस सिंह, शामिल है । शासकीय करण मांग पूरी होने के उपरांत ही सचिवों के द्वारा प्रदेश भर में हड़ताल समाप्त किया जाएगा अन्यथा काम बंद कलम बंद अनिश्चितकालीन हड़ताल निरंतर जारी रहेगा।

टूल्लू पम्प चोर हुआ गिरफ्तार

- संवाददाता -
रामानुजनगर, 24 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

दिनांक 22.04.23 को ग्राम मदनेश्वरपुर निवासी राहुल सिंह ने थाना रामानुजनगर मं रिपोर्ट दर्ज कराया कि 21 अप्रैल को नाला में टेक्समो कंपनी का टूल्लू पम्प खेत में पानी दहाई के लिए लगाया था दूसरे दिन सुबह वहां गया तो टूल्लू पम्प वहां पर नहीं था, वहीं के लोगों को इसकी जानकारी दिया तो उन्होंने बताया कि उमेश व दीपन सिंह के कुआं व तालाब में लगे पम्प को भी कोई अज्ञात चोर चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर धारा 379 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने अज्ञात चोर की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश थाना प्रभारी को दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह के मार्गदर्शन में थाना रामानुजनगर पुलिस चोर की पतासाजी में लगी थी इसी बीच मुखबीर की सूचना पर संदेही ओम प्रकाश सिंह पिता शुक्रवार सिंह निवासी ग्राम सरसताल, थाना रामानुजनगर को पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने बताया कि उक्त तीनों टूल्लू पम्प को चोरी करना स्वीकार किया और उसे बेचने की फिराक में ग्राहक की तलाश करना बताया। आरोपी के निशानेदही पर 3 नग टूल्लू पम्प कीमत करीब 10 हजार रूपये का बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में थाना प्रभारी रामानुजनगर विपिन लकड़ा, एएसआई मनोज पोर्ते, आरक्षक दीपक यादव, इन्द्रकुमार साहू, गणेश सिंह व सुभाष पैंकरा सक्रिय रहे।

अथर्व तिवारी को सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षा में मिली सफलता,क्षेत्र के लोगों ने दी बधाई

- संवाददाता -
सूरजपुर,24 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

अखिल भारतीय सैनिक स्कूल कक्षा 6 वीं की प्रवेश परीक्षा में सूरजपुर के अथर्व तिवारी ने सफलता हासिल की है। सैनिक स्कूल में बच्चों का एडमिशन कराना अभिभावकों का सपना होता है। कारण यहां की बेहतर शिक्षा व्यवस्था, अनुशासन और पासआउट होने वाले बच्चों का शानदार कैरियर लोगों को आकर्षित करता है। देशभर के सैनिक स्कूलों में दाखिले आल इंडिया सैनिक स्कूल एंट्रेंस एग्जाम के माध्यम से होते हैं। यह प्रवेश परीक्षा प्रत्येक वर्ष नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा आयोजित की जाती है। सैनिक स्कूल में दाखिले हेतु छात्रों की परीक्षा में परफार्मेंस और मेडिकल फिटनेस को देखकर किये जाते हैं। आल इंडिया स्तर की इस परीक्षा में अथर्व की इस कामयाबी से उनका परिवार,रिश्तेदार और क्षेत्र के लोग बेहद खुश नजर आ रहे हैं। अथर्व के पिता सुनील दत्त तिवारी शासकीय आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सूरजपुर में व्याख्याता के पद पर कार्यरत हैं। इसके साथ ही ये एनसीसी अधिकारी के पद का निर्वहन भी कर रहे हैं। इनकी माता श्रीमती विजयलक्ष्मी तिवारी गृहिणी हैं। अथर्व सूरजपुर के प्रतिष्ठित नागरिक कृष्ण दत्त तिवारी एवं सुभद्रा तिवारी के पौत्र और छत्तीसगढ़ किसान कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री विमलेश दत्त तिवारी के भतीजे हैं। अथर्व ने अपनी कड़ी मेहनत से सैनिक स्कूल की प्रवेश परीक्षा में सफलता प्राप्त कर अपने परिवार के साथ सूरजपुर जिले का नाम रोशन किया है। पढ़ाई के साथ-साथ अथर्व खेलकूद में भी अच्छी रुचि रखते है। अथर्व ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने गुरूजनों और माता-पिता के साथ अचीवर्स पॉइंट एकेडमी अम्बिकापुर कोचिंग सेंटर के संचालक आशीष सिन्हा सर को दिया ।अचीवर्स पॉइंट एकेडमी के संचालक आशीष सिन्हा ने कहा कि अथर्व की लगन और मेहनत ने ही आज इन्हें उनको उज्ज्वल भविष्य की ओर पहुंचाया हैं। उनके सैनिक स्कूल में चयनित होने पर एकेडमी के सभी शिक्षकों द्वारा शुभकामनाएं दीं गई । वहीं अथर्व के माता-पिता ने एकेडमी के सभी शिक्षकों का आभार जताया। उनकी इस उपलब्धि पर प्रोफेसर डॉ.अशोक शर्मा,दयानंद चौबे, अनुरागवेन्द्र सिंह बघेल,गोपाल साहू, गौतम शर्मा सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने उन्हें बधाई दी है।

अभिमन्यु यादव रामानुजगंज एसडीएम का कर्मचारी बनकर गुण्डागर्दी पर हुआ उतारू...

» एसडीएम का धौंस दिखा बना-बनाया घर का अहाता व घर तोड़वाया कर्मचारी ने...

» प्रार्थी ने आरोपी अभिमन्यू यादव व कृपाल कुशवाहा के विरूद्ध गांधीनगर थाने में कराया शिकायत दर्ज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,24 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

राजस्व विभाग के मामले को लेकर आए दिन किसी न किसी बात पर राजस्व अमला विवादों में घिरा रहता है जिसके सुधार पर मुख्यमंत्री से लेकर विभागीय मंत्री तक ने कई बार दिशा-निर्देश जारी कर चुका है पर मैदान पर वह निर्देश व नियम सिफर ही जान पड़ता है।

वहीं उक्त मामले में प्रार्थी कमल सिंह आत्मज स्व0 रामबाबू सिंह उम्र 52 वर्ष निवासी मायापुर पंचदेव मंदिर, मायापुर अम्बिकापुर के द्वारा गांधीनगर थाने में आरोपी अभिमन्यु यादव व कृपाल कुशवाहा के विरूद्ध शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि प्रार्थी के पट्टे की भूमि खसरा नम्बर 217/7 रकबा 0.012 हे0 पर आरोपियों के द्वारा कब्जा के नियत से बना-बनाया अहाता व मकान को तोड़कर बोरिंग कराया जा रहा था जिसके सूचना पर प्रार्थी मौके पर पहुंचा तो आरोपियों के द्वारा एसडीएम रामानुजगंज के नाम पर धौंस दिखाते हुए गाली-गलौज कर मारपीट पर उतारू हो गए जिसके बीच-बचाव से मामला शांत कर प्रार्थी ने मामले की शिकायत करना ही उचित समझ मामले की शिकायत गांधीनगर थाने में कर उच्च स्तरीय जांच कर आरोपियों के विरूद्ध पद का दुरूपयोग कर धौंस दिखाने के एवज में कठोर कार्यवाही कर अपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की गई है। हालांकि मामला राजस्व विभाग के रामानुजगंज एसडीएम के कर्मचारी से संबंधित होने से मामले में न्याय होने की उम्मीद कम ही जान पड़ती है।

862 प्रधान पाठक एवं 1931 शिक्षकों का पदांकन आदेश जारी

- संवाददाता -

अम्बिकापुर , 24 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)। संभागीय कार्यालय लोक शिक्षण के संयुक्त संचालक ने बताया है कि सरगुजा संभाग अंतर्गत पूर्व माध्यमिक शालाओं के प्रधान पाठक के रिक्त पदों पर 862 शिक्षकों को पदोन्नति प्रदान करते हुए उनके पदोन्नति आदेश जारी कर दिए गए है। इसी प्रकार प्राथमिक शाला के हिन्दी, अंग्रेजी, विज्ञान एवं गणित विषयों के कुल 1931 सहायक शिक्षकों को पदोन्नत कर शिक्षक पूर्व माध्यमिक शाला के पदों पर पदांकन आदेश जारी किये गये हैं। संयुक्त संचालक द्वारा सोमवार को सभी पदोन्नति आदेश संबंधित विकास खण्डों के विकास खण्ड शिक्षा अधिकारियों को सौंपे गये जो 25 अप्रैल 2023 से अपने-अपने विकास खण्ड के सम्बंधित पदोन्नत शिक्षकों को वितरित करेंगे। जिन शिक्षकों को पदोन्नति आदेश प्राप्त हो जायेगें वे अपने विकास खण्ड कार्यालय से कार्यमुक्त होकर अपनी नवीन पदस्थापना वाले विकास खण्ड के विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में अपना कार्यभार ग्रहण प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगें। जहाँ से उन्हें उनकी पदांकित शालाओं हेतु कार्यमुक्त किया जायेगा। उन्होंने बताया कि ऐसे शिक्षक जिनकी पदोन्नति हुयी है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं सक्षम प्राधिकारी भू–अर्जन सूरजपुर जिला–सूरजपुर (छ.ग.)

//लोक–सूचना//

(अधिनियम की धारा 3(छ:) की उपधारा (3) के साथ पाठित धारा 3(घ) के अधीन अधिसूचना का पत्रक)

क्रमांक-1152/वाचक-1/2023 सूरजपुर,दिनांक-17-04-2023

केन्द्रीय सरकार ने, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) की धारा 3(क) की उपधारा (1) के अधीन जारी की गयी, भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 5551 (अ) दिनांक 30 नवम्बर 2022 जो भारत का राजपत्र, असाधारण भाग–2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii) में प्रकाशित की गयी थी, द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के सूरजपुर जिले के लटोरी तहसील में, राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक–43 के कि.मी. 356.867 से कि.मी. 357.913 तक (जयनगर रेलवे क्रॉसिंग AB-72 में रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण पहुँच मार्ग सहित) के भू–खण्ड का निर्माण, अनुरक्षन, प्रबंधन और प्रचालन से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी।

और उक्त अधिसूचना का सार उक्त अधिनियम की धारा 3(क) की उपधारा (3) के अधीन दिनांक 10 दिसम्बर 2022 को समाचार पत्र "अम्बिकावाणी" और "रिहंद टाईम्स" दोनों में प्रकाशित किया गया था।

और आक्षेप प्राप्त हुए थे और सक्षम प्राधिकारी ने उन पर विचार कर लिया है और आक्षेपों का अननुज्ञात कर लिया है।

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 3(घ) की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है।

और केन्द्रीय सरकार, सक्षम प्राधिकारी की उक्त रिपोर्ट प्राप्त हो जाने पर और उक्त अधिनियम की धारा 3(घ) की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि का पूर्वोक्त प्रयोजन के लिये भू–अर्जन की घोषणा की है।

और अधिनियम की धारा 3(घ) के अधीन अधिसूचना की घोषणा भारत का राजपत्र असाधारण भाग–2 संख्या का.आ. 724(अ) दिनांक 16 फरवरी 2023 में प्रकाशित किया गया था।

और अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 3(घ) की उपधारा (2) के अनुसरण में यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन पर उक्त अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर अत्यान्तिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो जाएगी।

और अब, अधिनियम की धारा 3(छ:) की उपधारा (3) के अनुपालन में सक्षम अधिकारी एतद् द्वारा इस कार्यवाही के अधीन अधिग्रहित की जाने वाली भूमियों से संबंधित भू–स्वामियों/इच्छुक व्यक्तियों से संलग्न अनुसूची में उल्लेखित भूमि के संबंध में सक्षम प्राधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सूरजपुर के न्यायालय/कार्यालय में लोक सूचना **दो स्थायनीय समाचर पत्र में प्रकाशन की तिथि से कार्यालयीन समय प्रातः 10:00 बजे से शाम 5:30 बजे तक 15 दिवस** के भीतर सूचना आमंत्रित करती है।

अधोलिखित अनुसूची में भू–स्वामी/इच्छुक व्यक्ति को एतद् द्वारा उक्त भूमि से संबंधित अपने दावा (उनकी हिस्सेदारी/क्षेत्रफल/परिसम्पत्ति तथा भवन/वृक्ष आदि और उनके हितो की प्रकृति से संबंधित दावा अभिलेखों सहित) प्रस्तुत करने हेतु सूचित किया जाता है। उक्त भू–स्वामियों/इच्छुक व्यक्तियों को इसके अतिरिक्त जिस खाते में उन्हें मुआवजा राशि का भुगतान किया जाना है, ऐसे बैंक खाता की जानकारी प्रस्तुत किये जाने हेतु सूचित किया जाता है। दावे निम्नलिखित सांकेतिक प्रारूप में प्रस्तुत किए जा सकते है :–

ग्राम/ शहर का नाम	भू–स्वामी/ इच्छुक व्यक्ति का नाम	भूमि खसरा संख्या	उनके हिस्से की भूमि का क्षेत्रफल	भूमि पर स्थित संरचना/वृक्ष/ट्यूबवेल/कुँआ	भू–स्वामी/इच्छुक व्यक्ति के बैंक एवं शाखा का नाम जिसमें उनका खाता परिचालित	बैंक की जानकारी खाता संख्या क्र. उस बैंक शाखा की IFSC कोड

अनुसूची

छतीसगढ़ राज्य के सूरजपुर जिले के तहसील लटोरी में कटनी-गुमला NH-43 के कि.मी. 356.867 से कि.मी.357.913 तक (जयनगर रेलवे लेवल क्रॉसिंग AB-72 में रेलवे ब्रिज निर्माण पहुँच मार्ग सहित) के लिए अर्जन की जाने वाली संरचना सहित अथवा संरचना रहित विवरण।

राज्य क नाम: छतीसगढ़ जिले का नाम: सूरजपुर

क्रमिक संख्या	सर्वेक्षण संख्या	भूमि का प्रकार	भूमि की प्रकृती	भूमि का क्षेत्रफल (हेक्टर में)	भूस्वामी / हितबद्ध व्यक्तियों का नाम
1	2	3	4	5	6
	तालुक का नाम: लटोरी				
	गांव का नाम: जयनगर				
1	1327	सरकारी	शासकीय	0.0040000	शासकीय भूमि (1327)
2	1347	निजी	असिंचित कृषि	0.0260000	रामप्रसाद, नागेश्वर, जुगेश्वर, हरिशचन्द्र, कपिल चन्द आ. हिरालाल, विमला, कमला आ. हिरालाल, मु. इन्द्रकुंवर बेवा हिरालाल, भुनेश्वर, लालचन्द आ. बालगोविन्द, राजकुमारी, रामकुमारी आ. बालगोविन्द, मु. गुलाबी बेवा बालगोविन्द, साकी. कैलाशो आ.बिरबल, राजू आ. जदू, मुनिया, झमको आ. जदू जाति पनिका (1347)
3	1349	निजी	असिंचित कृषि	0.0190000	परशु राम पिता रामप्रसाद जाति लोहार (1349)
4	1351/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0130000	रज्जाक पिता नियामत जाति मुसलमान (1351/1)
5	1351/2	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0060000	सैफुल्लाह पिता रियाजुद्दीन जाति मुसलमान (1351/2)
6	1351/3	निजी	असिंचित कृषि	0.0030000	मो. कलीम पिता मो. हबीब (1351/3)
7	1351/4	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000	मो. अबरार पिता जब्बार (1351/4)
8	1354/1	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0110000	मो.शमीम पिता निजामुद्दीन (1354/1)
9	1354/2	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0050000	मो.शमीम पिता निजामुद्दीन (1354/2)
10	1355/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0080000	श्रीमती बसंती पति राजकिशोर (1355/1)
11	1355/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0080000	बेला राम पति ढरकू राम जाति बिंझिया (1355/2)
12	1391	सरकारी	शासकीय भूमि	0.0040000	शासकीय भूमि (1391)
13	1508	निजी	असिंचित कृषि	0.0060000	अजीमुद्दीन पिता मुजीबुद्दीन (1508)
14	1510	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000	मो. गुलखान, रमजान खान पिता अमिर हजमा (1510)
15	1511/2	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0020000	मो.जसीम पति मोहिउद्दीन मोहरामी बेवा मोहिउद्दीन (1511/2)
16	1511/4	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0060000	असगर इराकी पिता मो. नसीम मो. अज़हर पिता मो. नसीम, मो. असरफ पिता मो. नसीम, मो. आकिब पिता मो. नसीम, रूही परवीन पिता मो. नसीम, जूही परवीन पिता मो. नसीम, तलअत परवीन पति मो. नसीम, मोहरमानिया पति मोहिउद्दीन जाती मुसलमान (1511/4)
17	1512/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0030000	अभिमन्यु सिंह, विकेश्वर सिंह पिता श्यामसुंदर, सांझों बाई बेवा श्यामसुंदर जाति गोंड (1512/1)
18	1512/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0060000	दीपन आ. सोमरसाय जाति उरांव (1512/2)
19	1512/3	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0040000	मो. जसीम आ. मोहीउद्दीन, मोहरमी बेवा मोहीउद्दीन (1512/3)
20	1513	निजी	असिंचित कृषि	0.0380000	अभिमन्यु सिंह, विकेश्वर सिंह पिता श्यामसुंदर, सांझों बाई बेवा श्यामसुंदर जाति गोंड (1513)
21	1521	निजी	असिंचित कृषि	0.0110000	अब्दुल रउफ पिता हफीज (1521)
22	1522/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000	कलीम पिता गफूर (1522/1)
23	1522/2	निजी	सिंचित कृषि	0.0020000	तसउर अली पिता अब्दुल वाहिद (1522/2)
24	1525	निजी	सिंचित कृषि	0.0040000	आयशा खातून पति मो. अब्बास (1525)
25	1526/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0040000	मो. गुलखान, रमजान खान पिता अमिर हजमा (1526/1)
26	1527	सरकारी	शासकीय	0.0040000	शासकीय भूमि (1527)
27	1527/2668	निजी	असिंचित कृषि	0.0050000	मुस्तकीम पिता अहमद अली (1527/2668)
28	1528	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000	जुगेश्वर प्रसाद आ. पण्डरा, रेवती प्रसाद पिता पण्डरा, मु. चरकी बेवा पण्डरा (1528)
29	1529	निजी	असिंचित कृषि	0.0030000	भारत आ. बुढानी जाति बिंझिया (1529)
30	1532	निजी	असिंचित कृषि	0.0110000	राजेश आ.फेकू, सहोदरी, तुलेन, मुलेन, श्याम बेलसिया पिता फेकू, मेसरी बाई बेवा फेकू, बनसराम, देवशरण आ. रामदास, रसमतिया सारो पिता रामदास, हदरीबाई बेवा रामदास (1532)
31	1534	निजी	असिंचित कृषि	0.0130000	सांगू राम पिता तिलक (1534)
32	1535	निजी	असिंचित कृषि	0.0120000	बलदेव पिता मोहित (1535)
33	1536	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0220000	ठेंगा राम पिता धुन्धा (1536)
34	1539	निजी	असिंचित कृषि	0.0180000	बोधनराम, ललता प्रसाद, दीपनारायण, पिता आदम साय बुच्चा, खुलमच पिता बुच्चा, झुना पिता चुलु, खादा पिता चुल्लू (1539)
35	1540	निजी	असिंचित कृषि	0.0080000	मंगली, देवन्ती, अनुराधा, रूकमणी, पुष्पा पुत्री धान्धू बूदेन बाई पति धान्धू, गंगा देवनाथ, बीरा बासमती माता भुईली, सेवक राम कलेश्वर आ. पनेसर सुरजो पुली पनेसर, मानो बाई पति पनेसर गुडेश्वर आ. हीरा सरपेत पत्नी हीरा, रामप्रसाद पिता सोमार साय (1540)
36	1541	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000	रामप्रसाद पिता सोमार साय, मु. हिरलो बेवा सोमार साय जाति बिंझिया (1541)
37	1542/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0100000	लावा राम पिता कोन्दरा जाति बिंझिया (1542/1)
38	1543	निजी	असिंचित कृषि	0.0380000	विनोद, महेश ना.बा. बिनेश्वर पिता करीमन कुलोबाई बेवा करीमन (1543)
39	1675	निजी	असिंचित कृषि	0.0320000	विनोद, महेश, ना. बा. बिनेश्वर पिता करीमन मु. कुली बाई बेवा करीमन (1675)
40	1676	निजी	असिंचित कृषि	0.0150000	बोधनराम, ललता प्रसाद दीपनारायण पिता आदमसाय, खुलमच पिता बुच्चा, झुना पिता चुलु, खादा पिता चुल्लू (1676)
41	1677	निजी	असिंचित कृषि	0.0120000	मंगली, देवन्ती, अनुराधा, रूकमणी, पुष्पा पुत्री धान्धू बूदेन बाई पति धान्धू, गंगा देवनाथ, बीरा बासमती माता भुईली, सेवक राम कलेश्वर आ. पनेसर सुरजो पुली पनेसर, मानो बाई पति पनेसर गुडेश्वर आ. हीरा सरपेत पत्नी हीरा, रामप्रसाद पिता सोमार साय (1677)
42	1681/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0080000	जुगेन्द्र पिता सिराराम, मनोज कुमार पिता सिरा राम, बोदेश्वरी पिता सिरा, निर्मला पिता सिरा, बंसती पति सिरा राम जाति बिंझिया (1681/2)
43	1682	निजी	असिंचित कृषि	0.0100000	रामप्रसाद पिता सोमार साय, मु. हिरलो बेवा सोमार साय जाति बिंझिया (1682)
44	1684	निजी	असिंचित कृषि	0.0140000	बोधनराम, ललता प्रसाद, दीपनारायण पिता आदमसाय, खुलमच पिता बुच्चा, झुना पिता चुलु, खादा पिता चुल्लू (1684)
45	1685	निजी	असिंचित कृषि	0.0350000	ठेपा पिता धूंधा (1685)
46	1688	निजी	असिंचित कृषि	0.0100000	बालदेव पिता मोहित (1688)
47	1689	निजी	असिंचित कृषि	0.0120000	जुगेश्वर प्रसाद, रेवती, पिता पण्डरा, मु. चरकी बेवा पण्डरा (1689)
48	1690/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0040000	भारत राम पिता भुनेश्वर उर्फ बुढानी (1690/1)
49	1690/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0040000	बैजनाथ पिता लखु संतोषी बाई पुत्री लखु, कनियारो बाई पति लखु (1690/2)
50	1690/3	निजी	असिंचित कृषि	0.0040000	गति राम पिता भुनेश्वर उर्फ बुढानी
					(1690/3)
51	1691	निजी	असिंचित कृषि	0.0020000	सुनील कुमार, अनील कुमार, साधना, पुनम पिता फटाकू, दशमेत पति फटाकू, रामप्रसाद पिता धनकू जाति बिंझिया (1691)
52	1692	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000	सुनील कुमार, अनील कुमार, साधना, पुनम पिता फटाकू, दशमेत पति फटाकू, रामप्रसाद पिता धनकू जाति बिंझिया (1692)
53	1693	निजी	असिंचित कृषि	0.0090000	रियाजउद्दीन पिता महबुल्ला (1693)
54	1696	निजी	असिंचित कृषि	0.0040000	चेतन पिता मूंशी (1696)
55	1697	निजी	असिंचित कृषि	0.0100000	गंगा राम आ. नाथराम जाति गोंड़ (1697)
56	1698	निजी	असिंचित कृषि	0.0120000	दुहनी बेवा बैजू राम, जनक, शंकर आ. बैजू राम, सुकुन पिता रजन जाति उरांव (1698)
57	1700/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0340000	लालसाय, बालसाय, बालम आ. मनेलाल, दसारो, बालकुमारी, हेमलता, पिता मनेलाल, मु. सुरजी बेवा मनेलाल, मनेजर आ. रोपन, संतन, संतलाल आ. मोहन, बंधानो, सुखो, मानमति, पिता मोहन, फुलेश्वरी बेवा मोहन, छन्नूलाल आ. रोपन, बुलबुल पिता महेश्वर, मनियारो बेवा महेश्वर, मुनेश्वर आ. दिपन महाजन आ. बदन शिला, मिला, दिप्ती पिता बदन बुधियारो पति बदन, ईश्वर, धरमसाय पिता कवल साय, सोनप्यारी, सोनमति, कर्मिला, फुलसुन्दरी पिता कवलसाय, मानकुंवर बेवा कवलसाय, फालगुनी पति नवल साय जाति उरांव (1700/1)
58	1700/2	सरकारी	सड़क रास्ता	0.0020000	शासकीय भूमि (1700/2)
59	1701/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0030000	लालसाय, बालसाय, बालम आ. मन्नेलाल, दशरू, मनेजर आ. रोपन, संतन, संतलाल आ. मोहन, बंधानो, छन्नूलाल आ. रोपन, लोलिया, गुड्डी पुत्री मन्नेलाल, मु. सुरजी बेवा मन्नेलाल, सुखो, नानमती पुत्री मोहन, फुलेश्वरी, बेवा मोहन जाति उरांव (1701/1)
60	1701/10	निजी	असिंचित कृषि	0.0050000	ईश्वर, धरमसाय आ. कवल साय, सोम प्यारी, सोनामती, करमीला, फुलसुन्दरी पिता कवलसाय, मानकुंवर बेवा कवलसाय जाति उरांव (1701/10)
61	1701/11	निजी	असिंचित कृषि	0.0060000	फालगुनी पुत्री नवल साय जाति उरांव (1701/11)
62	1701/13	निजी	असिंचित कृषि	0.0050000	रामस्वरूप, करमसाय, बीगन, मंजूर पिता समयलाल, जम्बो बेवा समयलाल जाति उरांव (1701/13)
63	1701/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0050000	बच्चू पिता गहनू, मुन्ना पिता गहनू, श्रीराम पिता जोखू, शिवरतन पिता जोखू, दखू पिता सानिया, बहादूर पिता सानिया जाति उरांव (1701/2)
64	1701/3	निजी	असिंचित कृषि	0.0040000	महेश्वर, मुनेश्वर पिता दीपन, महाजन पिता बदन शिला, मिला, दीप्ति पिता बदन बुधियारों बेवा बदन (1701/3)
65	1701/4	निजी	असिंचित कृषि	0.0050000	जुगेश्वर आ. दुलार, रजन्ती, शांति आ. दुलार, चन्दो बेवा दुलार जाति उरांव (1701/4)
66	1701/5	निजी	असिंचित कृषि	0.0040000	मंगल प्रसाद आ. छोटे उरांव जाति उरांव (1701/5)
67	1701/6	निजी	असिंचित कृषि	0.0120000	बच्चू आ. गहनू, मुन्ना आ. गहनू, श्रीराम आ. जोखू, शिवरतन आ. जोखू, दखू आ. सानिया, बहादूर आ. सानिया जाति उरांव (1701/6)
68	1701/7	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000	लालसाय, बालसाय, बालम आ. मन्नेलाल, दशरू, लोलिया, गुड्डी पिता मन्नेलाल, मु. सुरजी बेवा मन्नेलाल, मनेजर आ. रोपन, संतन, संतलाल आ. मोहन, बंधानो, सुखी, नानमति पिता मोहन, फुलेश्वरी, बेवा मोहन, छन्नूराम आ. रोपन (1701/7)
69	1701/9	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000	बच्चन राम पिता रामलाल, मुनिया पिता रामलाल, चांदे पिता रामलाल, मनाजो पति रामलाल, अजय पिता शिवनन्दन, सिल्मन, सुष्मिता, पुनक, प्रियंका पिता शिवनन्दन, सोनमतिया पति शिवनन्दन जाति उरांव (1701/9)
70	1702	निजी	असिंचित कृषि	0.0700000	धनमेट पुत्री परसोतम (1702)
71	1703	निजी	असिंचित कृषि	0.0120000	जुगमनी उर्फ कुन्ती पिता पतिहा, सुखलाल, चन्दूलाल, भगवानदास आ. गम्हीरा, मु. मुखली पति गम्हीरा (1703)
72	1706	निजी	असिंचित कृषि	0.0100000	लालसाय पिता कुन्जल, रामदास पिता कुन्जल, मनियारो बेवा जल्दा, मल्दा पिता बन्धू जाति बिंझिया (1706)
73	27	निजी	असिंचित कृषि	0.0400000	काशी पिता दिलबोध जाति पनिका (27)
74	29	सरकारी	शासकीय	0.0090000	शासकीय भूमि (29)
75	30	सरकारी	ग्राम पंचायत	0.0070000	ग्राम पंचायत शासकीय भूमि (30)
76	31	सरकारी	सड़क रास्ता	0.0030000	सड़क रास्ता (31)
77	34	सरकारी	शासकीय	0.0100000	शासकीय भूमि (34)
78	35	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0060000	रागिनी सिंह पति अखिलेश कुमार सिंह (35)
79	36/2	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0190000	कमल कुमार पिता परषोतम, रजनी देवी पिता परषोतम, ममता देवी पिता परषोत्म (36/2)
80	37	निजी	व्यपवर्तित	0.0110000	सावित्री पति महावीर अग्रवाल (37)
81	39	निजी	असिंचित कृषि	0.0130000	कालीचरण पिता मुंशीराम अग्रवाल जाति अग्रवाल (39)
82	40/1	निजी	सिंचीत कृषि	0.0070000	सुभाष सिंह पिता रामाधार सिंह जाति क्षत्रिय (40/1)
83	40/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000	अभिषेक सिंह पिता अशोक सिंह, गीता सिंह पति अशोक सिंह जाति क्षत्रिय (40/2)
84	40/3	निजी	असिंचित कृषि	0.0060000	नजमा बेगम पति मैसर अली., नसीम कुरैशी पिता सलमा कुरैशी जाति मुसलमान (40/3)
85	42	निजी	असिंचित कृषि	0.0080000	सदा राम पिता रामचरण, रमेश कुमार पिता रामचरण, नाबालिक हेमन्त कुमार पिता रामचरण नाबालिक. अनुज कुमार पिता रामचरण, अर्चना देवी पिता रामचरण, ननकी देवी पति रामचरण जाति केंवट (42)
86	43	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000	सर्वजीत सिंह पिता धन सिंह (43)
87	46/10	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0140000	अभिषेक सिंह पिता अशोक सिंह, गीता सिंह पति अशोक सिंह जाति क्षत्रिय (46/10)
88	46/11	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0270000	सुभाष सिंह आ. रामाधार जाति क्षत्रिय (46/11)
89	46/4	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0190000	अभिषेक सिंह आ. अशोक सिंह, गीता सिंह पति स्व. अशोक सिंह जाति क्षत्रीय (46/4)
90	46/6	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0040000	मनोज कुमार गुप्ता पिता रामचरण गुप्ता जाति हलवाई (46/6)
91	46/7	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0060000	विनोद कुमार गुप्ता पिता रामचरण गुप्ता (46/7)
92	46/8	निजी	व्यपवर्तित भूमि	0.0060000	विनोद कुमार गुप्ता पिता रामचरण गुप्ता (46/8)
93	47	सरकारी	शासकीय	0.0270000	शासकीय भूमि (47)
94	56/1	निजी	असिंचित कृषि	0.0360000	बालदेव, रामराज, मुन्ना आ. सुन्ना, नरकू आ. सुन्ना, अम्बिका प्रसाद, धरमसाय, आ. अमर साय, मनमेत, चमेली, किस्मतिया आ. अमर साय (56/1)
95	56/2	निजी	असिंचित कृषि	0.0080000	श्रीमती मानो बाई पिता पाण्डु (56/2)
96	57	निजी	असिंचित कृषि	0.0140000	मचकू, भवन, हदुल्ला आ. कोन्दा (57)
97	58	निजी	असिंचित कृषि	0.0070000	भुनेश्वर सिंह, कमल कुमार, धरमदेव सिंह आ. रामप्रसाद, मान कुमारी, मेदनी सिंह, मदन सिंह, नन्दनी सिंह, आ. रामप्रसाद (58)
	कुल :–			1.088	

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
एवं सक्षम प्राधिकारी भू–अर्जन,
सूरजपुर (छ.ग.)

CMYK

विधानसभा चुनावी वर्ष में जमींदार योगेश का जन्मदिन मनाया गया ऐतिहासिक

- 100 गाड़ी के काफिले के साथ योगेश शुक्ला पहुंचे कार्यक्रम स्थल
- गाड़ियों के काफिले को देख लोग हो गए अचंभित,क्या 2023 विधानसभा में होंगे प्रत्याशी?
- पीसीसी सचिव रनई जमींदार योगेश शुक्ला का जन्मदिवस रहा ऐतिहासिक
- बैकुण्ठपुर मानस भवन में मनाया गया जन्म उत्सव,हजारों की तादात में पहुंची भीड़ योगेश शुक्ला को दी शुभकामनाएं
- जन्मदिवस कार्यक्रम आयोजन को उनके शक्ति प्रदर्शन से भी जोड़कर जा रहा देखा
- 2023 के चुनाव में हो सकते हैं बैकुण्ठपुर से दावेदार,कार्यक्रम के पश्चात बातें करते दिखे लोग
- 2023 उनके लिए अंतिम मौका है यदि यह मौका मिला तो बैकुण्ठपुर विधानसभा को मिल सकता है अच्छा प्रत्याशी

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 24 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

योगेश शुक्ला के जन्म दिवस का आयोजन बैकुंठपुर के हृदय स्थल मानस भवन में किया गया था। जबकि योगेश शुक्ला शुक्ला पेट्रोल टंकी से 100 गाड़ी के काफिले के साथ कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे, इस काफिले को देखकर लोग भी अचंभित दिखे इतना लंबा काफिला किसी मंत्री के आने पर भी नहीं दिखता जो रनई के जमीदार के जन्म उत्सव पर देखा गया, योगेश शुक्ला जब जन्म उत्सव के कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे तो उनका भव्य स्वागत किया गया, बधाइयों का तांता लगा रहा ।खूब पटाखे फूटे और फिर कार्यक्रम का संचालन शुरू हुआ कार्यक्रम में 5 हजार से अधिक लोगों के शामिल होने की खबर है इतनी बड़ी संख्या में लोगों का शामिल होना भी विरोधियों के लिए सिरदर्द बन गया, आखिर यह आयोजन किस मकसद से हुआ इसे लेकर विरोधियों में चर्चा का विषय रहा है और कहीं ना कहीं विधानसभा चुनाव भी कुछ महीने बाद है कहीं विधानसभा चुनाव की बड़ी दावेदारी तो नहीं कहीं इस वजह से यह शक्ति प्रदर्शन बडा तो नहीं।

योगेश शुक्ला का जन्मदिवस आयोजन जिस प्रकार वर्ष 2023 में संपन्न हुआ उसे देखकर अब लगता है कि यह वर्ष 2023 के चुनाव की तैयारी भी हो सकती है और वह चुनाव में बैकुंठपुर से दावेदारी कर सकते हैं क्योंकि जिस प्रकार स्वस्फूर्त लोग उनके जन्मदिवस आयोजन में सम्मिलित हुए उसको देखकर लोगों का तो यही कहना है और अब आयोजन के उपरांत से ही इस बात की चर्चा जोरों पर भी है। वैसे पटना 84 सहित बैकुण्ठपुर क्षेत्र में योगेश शुक्ला के जनाधार को नकारा नहीं जा सकता, जिस स्तर पर लोगों ने केवल सुनकर अपनी स्वस्फूर्त उपस्थिति प्रदान की उससे यह साबित भी हो गया कि योगेश शुक्ला के लिए चुनाव में विजश्री पताका लहराना मुश्किल बिल्कुल नहीं क्योंकि समर्थकों व कार्यकर्ताओं सहित उनके चाहने वालों की उनके पास कमी ही नहीं। पटना में आयोजित कार्यक्रम में कांग्रेस सहित भाजपा के लोगों ने भी शिरकत कर यह जता दिया कि उनके साथ और उनपर विश्वास है जनता का क्योंकि उनकी छवि हमेशा सहयोग की रही क्षेत्र के लिए जिसे लोग स्वीकार भी करते आ रहें हैं।

योगेश शुक्ला पहचान के मोहताज नहीं

राजनीति में यदि आगे बढ़ना है तो आपकी चर्चा होती रहनी चाहिए और वह जिस विधि हो लेकिन वह आपका प्रयास होना चाहिए ऐसी ही कुछ चर्चा अब जारी हो गई है जो केवल एक जन्मदिवस आयोजन व आयोजन की सफलता के बाद से हो रही है वह भी ऐसे व्यक्ति के जन्मदिवस आयोजन को लेकर यह चर्चा हो रही है जिसे जिले के कांग्रेस पार्टी में कोरिया टाइगर भी कहा जाता है। योगेश शुक्ला वह नाम जिसके कई उपनाम भी हैं जिससे ही वह ज्यादा पहचाने जाते हैं जिसमें रनई जमींदार और कोरिया टाइगर दो ऐसे प्रसिद्ध नाम है जो हर जुबान पर रहते हैं यदि गलती से योगेश शुक्ला नजर भर आ जाएं अनायास ही यह दोनों नाम लोग मन मे लेने लगते हैं। पर लोगों के जेहन में यह सवाल है कि आखिर चुनावी वर्ष 2023 में इतना वृह्द जन्म उत्सव मनाया जाना कहीं विधानसभा की तैयारी तो नहीं? 2023 में योगेश शुक्ला का जन्म उत्सव जिस प्रकार मनाया गया है उसे लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है वहीं विरोधी भी इसे लेकर चिंतित है।

जिला मुख्यालय से लेकर गाँव तक समर्थकों ने जन्मदिवस को बनाया यादगार

बता दें कि योगेश शुक्ला का जन्मदिवस बैकुंठपुर जिला मुख्यालय में भी मनाया गया और उनके समर्थकों ने उनके जन्मदिवस को यादगार बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी। वैसे योगेश शुक्ला का जनाधार पूरे विधानसभा में ही अच्छा है और चर्चा में भी उनके समर्थकों की कमी नहीं है। चुनावी रणनीति के जानकार योगेश शुक्ला के बारे में जो सबसे बड़ी खासियत है वह यह कि उनके पास चुनावी प्रबंधन का स्वयं के पास इतना अनुभव और ज्ञान है कि वह स्वयं चुनाव में यदि प्रत्याशी बनते हैं तो उनका प्रबंधन सबसे बेहतर होगा यह सभी का कहना है क्योंकि राजनीति के सफल संचालक की उनकी भूमिका से भी इंकार नहीं किया जा सकता।

योगेश शुक्ला मंच पर शमा बांधने वाले नेता

योगेश शुक्ला मंच पर भी शमा बांधने वाले वह नेता हैं की जब वह मंच पर बोलते हैं तो सुनने वालों की इक्षा होती है कि उन्हें जरूर सुने और विपक्ष की बोलती बंद करने में भी उनको महारत हासिल है। कुल मिलाकर जैसा जन्मदिवस आयोजन किया गया और जिस तरह का हुजूम जुटा उसे देखकर इसबात से इंकार नहीं किया जा सकता कि वह चुनाव लड़ने की इक्षा नहीं रखते वह अपनी इक्षा सामने से जनता के समक्ष प्रस्तुत कर रहें हैं अपने समर्थकों के कहने पर अब आयोजन को लेकर यही कहा जाने लगा है वैसे जिस तरह का आयोजन और आयोजन में जिस तरह की संख्या उपस्थित हुई उसे देखकर तो यही लगता है यह आगाज है और इसका अंजाम जरुर निकलेगा यह तय नजर आने लगा है।

भगवान परशुराम के जन्म उत्सव का कार्यक्रम बड़े धूमधाम से मनाया गया

- संवाददाता -
खड़गवां,24 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

भगवान विष्णु के छठवें अवतार भगवान परशुराम के जन्मोत्सव अक्षय तृतीयाके पावन पर्व पर ब्राह्मण समाज चिरिमिरी के द्वारा अपने इष्ट कुल देव भगवान परशुराम जी का जन्म उत्सव कार्यक्रम सम्पूर्ण विधि विधान से समाज के महर्षि भवन चिरिमिरी में धूमधाम से मनाया गया उक्त कार्यक्रम मे स्थानीय विधायक डॉ विनय जयसवाल, चिरमिरी नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती कंचन जयसवाल ,पूर्व विधायक श्याम बिहारी जयसवाल ,समाज के वरिष्ठ प्रो. भागवत प्रसाद दुबे,शा लाहिड़ी महाविद्यालय चिरमिरी के प्राचार्य डॉ रामकिंकर पांडे,आत्मानंद विद्यालय के प्राचार्य डी के उपाध्याय, लाहिड़ी हायर सेकेंडरी विद्यालय के प्राचार्य विदुर शर्मा, डीएवी विद्यालय के प्राचार्य के पी पांडे ,शिव गणेश त्रिपाठी, गोमती द्विवेदी के आतिथ्य में संपन्न हुआ ।नवनिर्मित परशुराम भवन का शुभारंभ विधायक डॉक्टर विनय जयसवाल के कर कमलों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में समाज के सेवानिवृत्त हुए वरिष्ठ जनों एवम समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को उनके गौरवशाली उपलब्धियों पर उपस्थित अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि डॉ विनय जायसवाल द्वारा ब्राह्मणों के सम्मान मे सदेव कार्य करते रहने एवं समाज के हाल को बड़ा कराने हेतु स्वीकृति दिए जाने की घोषणा की गई, उपस्थित शहर की प्रथम नागरिक महापौर कंचन जयसवाल द्वारा ब्राह्मणों का आशीर्वाद सदैव प्राप्त होता रहा है कहते हुए समाज को हरसंभव सहयोग देने की बात कही गई, पूर्व विधायक श्याम बिहारी जयसवाल द्वारा ब्राह्मणों की सनातन धर्म में महत्ता को बताया गया, समाज के वरिष्ठ प्रोफेसर भागवत प्रसाद दुबे ने ब्राह्मण समाज के युवाओं को धर्म एवं देश के उत्तरोत्तर उन्नति के लिए अध्ययन अध्यापन एवं अनुशासित जीवन जीने की सलाह देते हुए कहा गया की ब्राह्मण ने सदैव समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों के कल्याण की भावना से कार्य किया है और सबको साथ लेकर चलने का गुण ब्राह्मणों में है हमे इन गुण को आगे बढ़ाना चाहिए,कार्यक्रम में प्रमुख रूप से दीपनारायण त्रिपाठी,श्रीकांत शुक्ला, नारायणी शक्ति अध्यक्षा मिथिलेश पाराशर,अभिमन्यु दुबे,रामलखन मिश्रा, महेश शर्मा मोनू,राकेश पाराशर, आरके त्रिपाठी, विश्वजीत पांडे,राजेन्द्र तिवारी राही ,यदुवंश तिवारी ,पवन तिवारी, धनंजय तिवारी,जितेंद्र मिश्रा,सोनू दुबे,संजीत झा, राकेश मिश्रा, प्रकाश शुक्ला, रमाशंकर मिश्रा, फनीदर मिश्रा, राजकुमार शुक्ला,प्रहलाद पाठक, कुलदीप स्थापक, शिवानंद तिवारी सहित अत्यधिक संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में स्वागत भाषण अध्यक्ष हरिकांत अग्निहोत्री ,आभार प्रदर्शन महामंत्री धर्मेंद्र त्रिपाठी एवं सफल संचालन वाचस्पति दुबे उपाध्यक्ष ब्राह्मण समाज चिरिमिरी द्वारा किया गया।

सूरजपुर पुलिस के द्वारा 9 स्थाई वारंट किया गया तामील, लूट,मारपीट,दुर्घटना आदि प्रकरणों के है ये आरोपी

- संवाददाता -
सूरजपुर,24 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

अपराधों की रोकथाम के लिए पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज राम गोपाल गर्ग (भा.पु.से.) के सतत् मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने फरार स्थाई वारंटियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश जिले के पुलिस अधिकारियों को दिये थे। जिसके बाद पुलिस के द्वारा बीते दिन जिले सहित दिगर जिलों से 09 स्थाई वारंटियों को धर दोचा। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह के मार्गदर्शन में स्थाई वारंटियों की धरपकड़ के लिए चलाए गए अभियान में थाना सूरजपुर के द्वारा 3 स्थाई वारंट, थाना ओड़गी 2, थाना जयनगर 2, थाना भटगांव 1 व थाना प्रतापपुर के द्वारा 1 कुल 9 स्थाई वारंट तामील किया है। लूट, मारपीट, एक्सीडेंट सहित विभिन्न मामलों में वर्षो से फरार इन स्थाई वारंटियों को पकड़ा गया है। पुलिस ने पकड़े गए सभी वारंटियों को माननीय न्यायालय में पेश किया गया है।

उप चुनाव के मद्देनजर जागव वोटर के अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान जारी

16 पंचों हेतु होने हैं उप चुनाव

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,24 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कुंदन कुमार के मार्गदर्शन में स्थानीय निर्वाचन के तहत् उपचुनाव में शत्-प्रतिशत मतदान हेतु जागरूकता कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री टेकचन्द्र अग्रवाल ने बताया है कि इन पंचायतों में जहां पर उपचुनाव होना है, वहां पर जागव वोटर (जाबो) कार्यक्रम के तहत् मतदाताओं को शत्-प्रतिशत वोट डालने के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसी तत्वाधान में विकासखण्ड अम्बिकापुर में विकासखण्ड परियोजना अधिकारी श्री कमलेश कुमार वर्मा के नेतृत्व में स्कूली छात्र-छात्राओं के माध्यम से मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को जागरूक किया गया। साथ ही विकासखण्ड सीतापुर में विकासखण्ड परियोजना अधिकारी श्री प्रेम कुमार गुप्ता के नेतृत्व में स्कूल छात्र-छात्राओं के माध्यम से जागरूकता रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया गया। नोडल अधिकारी (जाबो) श्री गिरीश गुप्ता ने बताया कि सरगुजा जिले के अम्बिकापुर जनपद के ग्राम पंचायत कुनियाकला, सरईटिकरा, सुखरी, लखनपुर जनपद के ग्राम पंचायत गणेशपुर, लहपटरा, लटोरी, उदयपुर जनपद के ग्राम पंचायत पुटा, बुले एवं सीतापुर जनपद के ग्राम पंचायत आरा, सूर, को मिलाकर कुल 16 पंचों का उप चुनाव होना है। इन ग्राम पंचायतों में जागव वोटर (जाबो) कार्यक्रम के तहत् विकासखण्ड अम्बिकापुर में जन शिक्षण संस्थान सरगुजा के संयुक्त तत्वाधान में बी.एल.ओ. के द्वारा लोगों को जागरूक किया गया। जन शिक्षण संस्थान के प्रशिक्षार्थियों द्वारा मानव श्रृंखला व जागरूकता रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया गया। उन्होंने समस्त विकासखण्ड परियोजना अधिकारियों को जागव वोटर (जाबो) कार्यक्रम के तहत् मतदाताओं को जागरूक करने हेतु निर्देशित किया। इस अवसर पर शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री एम.सिद्धिकी, रजनीश मिश्रा, अभिलाष खरे, प्रीति तिवारी, विवेक सिंह, रमेश कुमार उपस्थित थे।

बिना सूचना कार्य से अनुपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को नोटिस

- दस्तावेजों के व्यवस्थित रख-रखाव, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,24 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

कलेक्टर कुन्दन कुमार ने सोमवार को कलेक्टोरेटपरिसर में कंपोजिट बिल्डिंग में स्थित विभिन्न कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कार्यालय प्रमुखों को कार्यालय में संधारित दस्तावेजों को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। लगभग दो से ढाई घंटे तक चले इस निरीक्षण में कार्यालयों में अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति और कार्यालय में संधारित दस्तावेजों के अद्यतन स्थिति का अवलोकन किया गया। इस मौके पर कलेक्टर ने आदिवासी विकास विभाग, श्रम, आबकारी, उप पंजीयक सहकारी संस्थाएं, कार्यपालन अभियन्ता पीएमजीएसवाय, सर्व शिक्षा अभियान, जिला निर्वाचन स्थानीय, जिला निर्वाचन सामान्य, आदि कार्यालय का सघन निरीक्षण किया।

कलेक्टर श्री कुन्दन ने निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि सोमवार को फील्ड विजिट ना रखें। समस्त विभागीय अधिकारी-कर्मचारी कार्यालय में उपस्थित रहे। दो दिनों के अवकाश के बाद सोमवार को कार्यालयों के खुलने पर आम जन विभिन्न कार्यों के लिए कार्यालयों में पहुंचते हैं। आम जन की सुविधा एवं सहयोग हेतु उन्होंने विभागों को यह निर्देश दिए हैं।

कलेक्टर द्वारा निरीक्षण के दौरान बिना सूचना कार्य से अनुपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को नोटिस भी जारी किए जा रहे हैं। निर्देशों का पालन नहीं करने पर अगले क्रम में कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर श्री कुन्दन ने कार्यालयों को व्यवस्थित करते हुए स्वच्छता का भी विशेष ध्यान देने विभागों को निर्देशित किया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री एएल ध्रुव, एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नवीन जिले एमसीबी के ग्राम पंचायत बहालपुर में पंडों सेवा केंद्र तो ग्राम पंचायत सिंघत में बैगा सेवा केंद्र का शुभारंभ

- ग्रामीणों में खुशी की लह, पहली बार विशेष जातियों के संरक्षण के लिए अनोखी पहल।

- संवाददाता -
एमसीबी/खड़गवां 24 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

प्रोग्रेसिव युटिलाईजेशन ऑफ रिसर्च एंड ईकानामिक्स (प्योर) और डॉक्टर्स ऑन स्ट्रीट (दोस्त) संस्था के द्वारा नविन एमसीबी ज़िले के जनपद पंचायत खड़गवां के ग्राम पंचायत बहालपुर में पंडो विशेष संरक्षित जनजाति के लिये सेवा केंद्र तो ग्राम पंचायत सिंघत में बैगा विशेष संरक्षित जनजाति के लिये विशेष सेवा केंद्र का शुभारंभ रायपुर के ख्याति प्राप्त विशेषज्ञ डॉ.सत्यजीत साहू,प्योर संस्था के आयोजक श्री दिनेश यादव, दोस्त संस्था एमसीबी जिले के सयोजक शोएब अली, वरिष्ठ पार्षद बलदेव दास, वरिष्ठ नेता अशोक श्रीवास्तव, श्री प्रदीप प्रधान, युवा नेता अनिल प्रसाद सहित स्थानीय ग्रामीणजनों की उपस्थिति ने ग्राम वासियों के समीप खोल करउन्हें समर्पित किया।

इस शुभ आरंभ के अवसर पर (प्योर एवं दोस्त) के संरक्षक डॉ. सत्यजीत साहु ने उपस्थित ग्राम वासियों को अपना वक्तब्य देते हुए कहा कि यह सेवा केंद्र विशेष संरक्षित जनजाति के स्वास्थ्य, शिक्षा,आजीविका,संस्कृति और मूलभूत अधिकार को बढ़ावा देने उन्हें हर संभव सहयोग करेगा, इसके लिये हम और राज्य की सरकार एवं हमारा समाज दोनों का ही कार्य महत्वपूर्ण है। समाज की मुख्यधारा के लोगों का कर्तव्य है कि समाज के अंतिम व्यक्ति के लिये अपनी ज़िम्मेदारी का निर्वहन बखूबी करे. और सरकार की सभी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहोचाने के लिए हम सभी को जागरूक होने की आवश्यकता है। प्योर संस्था एमसीबी ज़िले के प्रमुख श्री दिनेश यादव उपस्थित ग्रामीण जनों को संबोधित करते हुए कहा कि इस सेवा केंद्र में उन संरक्षित जनजाति के ही बीच से चुने हुये लोगों को ही सेवामितान बनाकर सेवा कार्य करने का कार्य दिया जाएगा जो हम वंचित ग्रामीण तक इसका लाभ पंहुचा सके. कार्यक्रम में उपस्थित दोस्त संस्था एमसीबी ज़िले के संयोजक श्री शोएब अली को सेवामितानों के प्रशिक्षण और संपर्क की बड़ी जिम्मेदारी से नावजा गया। पंडों और बैगा दोनों सेवा केंद्र को सक्रिय सहयोग और कुशल नेतृत्व की एक बड़ी जिम्मेदारी के लिए ग्राम ठग्गाव के वरिष्ठ समाजसेवी श्री प्रदीप प्रधान दी गई जिन्होंने हर संभव अपनी जिम्मेदारी निभाने की बात कही है। कार्यक्रम को और भी वक्ताओं ने संम्बोधित किया और सभी ने अपने अपने स्तर पर सेवा केंद्र की जानकारी ग्रामीण जनों को दी।

उल्लेखनीय है कि दोस्त और प्योर संस्था,प्रदेश के सातों विशेष संरक्षित जनजाति के विकास के लिये लिये सेवा केंद्र की स्थापना कर रही है, इस प्रकार का कार्य छत्तीसगढ़ के साथ देशभर के लिये एक माडल के रूप में सामने आयेगा। प्योर एवं दोस्त के प्रतिनिधिमंडल ने खडगंवा विकासखंड में कई समाजों के प्रतिनिधियों से भी मुलाक़ात की, साहू समाज के वरिष्ठ समाजसेवी जनपद उपाध्यक्ष भुवनेश्वर साहू, आदिवासी समाज के सूर्यप्रकाश सिंह, पनिका समाज के प्रतिष्ठित समाज सेवी बलदेव दास और ग्रामीण अंचल के जनसहयोगी नेता अशोक श्रीवास्तव (सुन्नु) से समाज सेवा के विभिन्न प्रकल्पों के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। सेवा मितान के लिये पंडो समाज से श्री नंदलाल और श्रीमती मंजु एवं बैगा समाज से शिवचंदर का मनोनयन कर उन्हें सम्मानित किया गया।

केंद्र सरकार की नल-जल योजना में किया जा रहा है धड़ल्ले से भ्रष्ट्राचार

- राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,24 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

नल जल योजना के निर्माण कार्य में जिस क्वॉलिटी के पाइप को लगाया जाना है उस पाइप लाइन के विस्तार में घटिया क्वालिटी का मटेरियल लगाकर किया जा रहा है निर्माण कार्य में ठेकेदारों की भर्राशाही भ्रष्टाचार चरम पर किया जा रहा है।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मनेंद्रगढ़ उपखण्ड अंतर्गत राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के तहत नल-जल योजना का कार्य बड़े ज़ोर शोर से किया जा रहा है मगर इस नल जल योजना भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहे हैं। खड़गवां मुख्यालय सहित ज्यादातर गांवों में घटिया स्तर की गुणवत्ता विहीन विभाग के मापदंड के अनुरूप पाईप लाइन बिछाई जा रही है।

यहां पर जो पाईप लाइन को बिछाया जा रहा है वो खड़गवां मुख्यालय में तो मुख्य मार्ग से महज चंद फीट की दूरी पर खोदकर बिछाया जा रहा है। जो की ये मुख्य मार्ग स्टेट हाईवे है और आने वाले समय में जब इस मुख्य मार्ग का चौड़ीकरण का कार्य किया जाएगा तब नल जल योजना के तहत बिछाई जा रही पाइप लाइन पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त हो जाएगी ठेकेदार के द्वारा प्रत्येक गांवों में सिर्फ सड़क से महज चंद फीट दूरी पर ही पाइप लाइन बिछाई जा रही है जो आने वाले समय में ये जल आपूर्ति में बांधा बनेगी अगर समय रहते हुए इस पर रोक नहीं लगया गया तो नल जल योजना का लाभ गांवों के निवासीओ को नहीं प्राप्त होगा। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को इस जल जीवन मिशन के तहत् नल जल योजना में सिर्फ अपनी मलाई खाने से मतलब रख रहे हैं क्षेत्र में कोई अधिकारी नहीं करते हैं निर्माण कार्य का निरीक्षण जिसके वजह से ठेकेदार अपनी मनमर्जी से नल जल योजना की पाइप लाइन कहीं भी बिछाकर निर्माण कार्य पूर्ण करने में लगे गहराई में भी नहीं दबाया जा रहा है, पाईप लाइन कई जगह तो सिर्फ नाम के लिए पाइप लाइन को दबाया जा रहा है कहीं पर तो जमीन के ऊपर से ही दिखाई दे रही है जिससे पाइप लाइन के क्षतिग्रस्त होने की आशंका है।

ठेकेदार के द्वारा नलों के चैम्बर भी गुणवत्ताहीन बनाए जा रहे हैं अगर ग्रामीणों के द्वारा गुणवत्ता युक्त चैम्बर निर्माण कार्य के लिए कहा जाता है तो फोन के माध्यम से बात करने के लिए कहा जाता है। इस कारण पानी सप्लाई शुरू होने से पहले ही यह क्षतिग्रस्त होने भी लगे हैं। लेकिन पीएचई विभाग के जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी इस ओर देखना मुनासिब नहीं समझते हैं।

जल जीवन मिशन के कार्य 2019 से शुरू हुए हैं एवं शासन की मंशा है कि 2024 तक हर गांव में प्रत्येक घर पर नल से पानी पहुंचाया जाए। इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को कई करोड़ रुपये का बजट उपलब्ध कराया है। करोड़ों का बजट आने के बाद भी ठेकेदारों के द्वारा घटिया स्तर की पाइप लाइन को गांवों में पानी सप्लाई के लिए बिछाया जा रहा है। मुख्यालय खड़गवां सहित कई गांवों में पीतल की बजाए प्लास्टिक के नोजल लगाए जा रहे हैं। इसी तरह टोंटियां भी घटिया क्वालिटी की हैं।

खड़गवां मुख्यालय कटकोना ठगगाव आमाडाड पोडी बचरा जरौधा गिदमुडी सहित अन्य ग्रामो में देखने को मिल रही है। घरों की ओर दिए गए नल कनेक्शनों को भी सीमेंट में गाड़े जाने की बजाए पाइप का टुकड़ा लगाकर औपचारिकताएं पूरी कर दी गई हैं। वहीं अनेक ग्रामों में आधा- अधूरा पाइप लाइन बिछाकर कागजों में निर्माण कार्य को पूर्ण कर लिया गया है। कई पंचायतों में भर्राशाही कर कार्य को पूर्ण करा लिया गया है, किन्तु एक दो वर्ष बीतने पश्चात भी पानी की सप्लाई शुरू नही हो पायी है। जिससे ग्रामीण जनता नल- जल योजना के लाभ से वंचित है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मनेंद्रगढ़ उपखण्ड के नौकरशाहों के मिलीभगत से यह कार्य कराने वाले ठेकेदारों की पांचों उंगलियां घी में डूबी नजर आने लगी है, और यह इसलिए कि जिला प्रशासन ने इस ओर संज्ञान में नही लिया है। यही कारण है कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी-कर्मचारी व ठेकेदार मिलकर केंद्र शासन की इस महत्त्वकांक्षी योजना पर पलीता लगाते हुए मालामाल हो रहे है। यदि प्रशासन द्वारा जल जीवन मिशन के उक्त कार्यों की निष्पक्ष जांच करायी जाए तो चौकाने वाले भ्रष्टाचार का खुलासा हो सकता है।

छोटा हाथी वाहन में अवैध रूप से लोहे का कबाड़ के साथ युवक को किया गया गिरफ्तार

- संवाददाता -
कोरबा, 24 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

विगत रविवार मुखबिर से सूचना मिला कि एक युवक छोटा हाथी वाहन क्रमांक सी.जी. 12 ए.जेड. 2742 में अवैध कबाड़ लेकर राताखार की ओर जा रहा है कि सूचना पर पुलिस अधीक्षक यू उदय किरण को अवगत कराकर आवश्यक दिशा निर्देश प्राप्त किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक कोरवा विश्वदीपक त्रिपाठी के मार्गदर्शन पर नगर निरीक्षक रूपक शर्मा के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस द्वारा राताखार रवि पुड्डा दुकान के पास मुखबीर के बताये अनुसार छोटा हाथी वाहन क्रमांक सी.जी. 12 ए.जेड. 2742 को घेरा बंदी कर पकड़े ड्रायवर सीट पर बैठे व्यक्ति से पूछताछ करने पर अपना नाम दिलीप पाण्डेय उर्फ अदू पिता द्वारिका प्रसाद पाण्डेय, उम्र 25 वर्ष, निवासी- इतवारी बाजार कोरबा, थाना कोतवाली कोरबा का रहने वाला बताया जिसके वाहन की तलाशी लेने पर वाहन में अवैध रूप से लोहे का कबाड़ समान मिला जिसके संबंध में उक्त व्यक्ति द्वारा कोई वैध दस्तावेज पेश नहीं करने एवं आरोपी के द्वारा अपना अपराध स्वीकार करने तथा प्राप्य अपराध सबूत पाये जाने से आरोपी दिलीप पाण्डेय के विरूद्ध धारा 41 (1 - 4) द.प्र.सं./ 379 भा.द.वि. का इस्तगासा तैयार कर विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है। उपरोक्त कार्यवाही में नगर निरीक्षक रूपक शर्मा के नेतृत्व में स.उ.नि. साहूकार खाण्डेकार, प्र.आर. लक्ष्मीकांत खरसन, आर राकेश खूंटे, टिरेन्द्र सोनी व आर. नरेन्द्र पाटनवार की सराहनीय भूमिका रही।

दैहिक शोषण कर फरार आरोपी को कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
कोरबा,24 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

दिनांक 16.11.2022 को युवती थाना कोतवाली उपस्थित आकर लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर रिपोर्ट दर्ज करायी कि ग्राम भोडकछार, डुग्गुपारा निवासी धरमराज कंवर पिता भानु प्रताप सिंह कंवर, उम्र 28 वर्ष, चौकी चैतमा, थाना- पाली, जिला कोरबा (छ.ग.)नामक युवक शादी करूंगा कहकर मना करने पर जान से मारने की धमकी देकर मारपीट कर जबरदस्ती कई बार बलात्कार किया है कि रिपोर्ट पर थाना कोतवाली कोरबा में अपराध क्रमांक- 1126/ 2022 धारा 376 (2) (ह), 506, 323. भा.द.वि. का अपराध दर्ज किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना के बारे में पुलिस अधीक्षक उदय किरण को अवगत कराया गया, पुलिस अधीक्षक महोदय ने आरोपी जल्द गिरफ्तार कर कड़ी कार्यवाही के निर्देश दिये। घटना के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक कोरवा विश्वदीपक त्रिपाठी के मार्गदर्शन पर नगर निरीक्षक रूपक शर्मा के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस द्वारा लगातार आरोपी की पत्ता तलाश की जा रही थी। शातिर आरोपी पुलिस से बचने के लिये लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। पुलिस द्वारा आरोपी की पता तलाश हेतु मुखबीर तैनात किया गया था कि दिनांक 23.04.2023 को जरिये मुखबीर सूचना मिला कि आरोपी धरमराज कंवर ग्राम बड़ेबांका, चौकी चतमा, थाना- पाली, जिला कोरबा में किसी के घर छिपा हुआ है कि सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों से मार्गदर्शन प्राप्त कर नगर निरीक्षक रूपक शर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम रवाना किया गया जो पुलिस टीम द्वारा आरोपी धरमराज कंवर को ग्राम बड़ेबाका, चौकी चैतमा, थाना- पाली, जिला कोरबा से घेराबंदी कर पकड़े जिससे पूछताछ करने पर अपना अपराध स्वीकार करने पर विधिवत हिरासत में लेकर थाना कोतवाली कोरबा लाया गया जहां आरोपी को दिनांक 24.04.2023 को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है। उपरोक्त कार्यवाही में नगर निरीक्षक रूपक शर्मा के नेतृत्व में उ.नि. प्रेमनाथ बघेल, आर. चन्द्रकांत गुप्ता व आर सुनील राजपूत की सराहनीय

रुक बहरी एनीकट से किसानों को सिंचाई के लिए मिलता है पानी

» व्यवसायिक उपयोग पर होगी कार्यवाही

- संवाददाता -
कोरबा,24 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

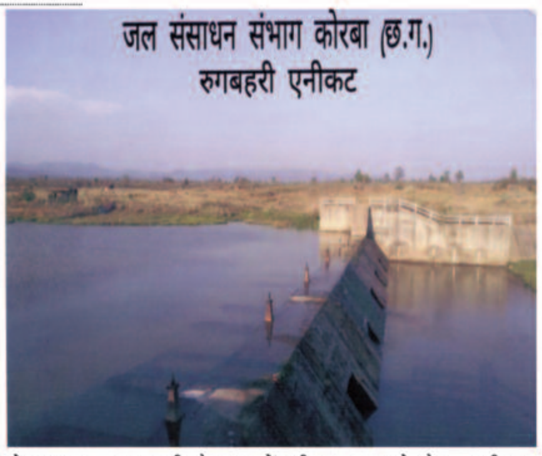

कोरबा विकासखण्ड के सारबहार बारहमासी नाला पर छत्तीसगढ़ शासन द्वारा रूकबहरी एनीकट योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना से आसपास के ग्रामीणों को निस्तारी की सुविधा के साथ, भू-जल संवर्धन एवं कृषकों के श्रम के साधन से लगभग 80 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई प्रस्तावित है। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि एनीकट का निर्माण पूर्ण होने के साथ ही क्षेत्र के कृषक स्वयं के साधन से लगभग 25 हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ सिंचाई के लिए पानी ले रहे हैं। क्रेडा विभाग द्वारा ग्राम रूकबहरी के कृषकों की आय बढ़ाने के लिए एवं सब्जी खेती को बढ़ावा देने के लिए 40 एचपी क्षमता का सोलर पंप भी स्थापित कर पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। किसानों की सोलर पंप संचालन के लिए गांव के ही शिक्षित ग्रामीण को मानदेय के आधार पर नियुक्त कर जिम्मेदारी दी गई है। सालबहार नाला अंतर्गत एनीकट में साल भर पानी भरा रहता है। जल संसाधन संभाग कोरबा के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराना पहली प्राथमिकता में है। एनीकट के पानी से अनेक किसान सिंचाई भी कर रहे हैं। उक्त पानी का व्यवसायिक उपयोग नहीं किया जा सकता, यदि किसी के द्वारा एनीकट के पानी का निजी उपयोग किया जाता है तो उनके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही भी की जाएगी।

छत्तीसगढ़ सक्रिय पत्रकार संघ अध्यक्ष चुनाव सहित प्रादेशिक इकाई का गठन 26 को

- संवाददाता -
कोरबा, 24 अप्रैल 2023 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ सक्रिय पत्रकार संघ पंजीयन क्रमांक 5983 के प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचन हेतु 26 अप्रेल को मतदान होगा ।जिसकी अधिसूचना चुनाव अधिकारी शंकर पाण्डेय एवं देवेन्द्र चंद्रवंशी द्वारा जारी की गई थी । जिसके अनुसार संपूर्ण चुनावी प्रक्रिया 26 अप्रैल 2023 दिन बुधवार ,स्थान होटल आदित्य, जय स्तम्भ चौक, रायपुर छ्ग में संपन्न होगी । नामांकन पत्र लेने का समय प्रातः 10 बजे से 10:30 बजे तक एवं जमा करने का समय प्रातः 10:35 से 11 बजे तक निर्धारित है। नामांकन पत्रों की छंटनी 11:15 बजे तक, नाम वापसी 11:20 से 11:30 तक, उम्मीदवारों का अंतिम प्रकाशन 11:35 तक होगा। मतदान प्रातः 11:40 से 1:40 तक संपन्न होगा। तदपश्चात मतगणना कर चुनाव अधिकारी द्वारा परिणाम घोषित कर विजयी उम्मीदवार को प्रमाण पत्र दिया जायेगा।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

आय निविदा के अनुबंध के लिए ई–नीलामी सूचना

क्र.–कॉम / बीएसपी / ई–नीलामी / Apr-23/2

आय निविदा के अनुबंध के लिए ई–नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटेलॉग पहले ही IREPS वेबसाइट (https://www.ireps.gov.in) पर प्रकाशित की जा चुकी है। विवरण निम्नानुसार है –

कैटेलॉग क्रमांक	श्रेणी	नीलामी आरंभ	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण	अनुबंध अवधि
BSP-CCTV-Cg1	(विज्ञापन)	04-05-23 15:00	ADVT-BSP-USL-OSD-130-23-1	रायगढ़, चांपा, कोरबा, उसलापुर, पेंड्रा रोड, अंबिकापुर एवं मनेन्द्रगढ़ रेलवे स्टेशन पर क्लोज्ड सर्किट टेलीविजन सिस्टम लगाने एवं संचालन के लिए लाइसेंस।	5 वर्ष

सीपीआर/10/25 वरि. मंडल वाणिज्य प्रबंधक, द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

Ro.No.-953

प्रयास आवासीय चयन परीक्षा 30 अप्रैल को

- संवाददाता -
अम्बिकापुर , 24 अप्रैल 2023
(घटती-घटना)।

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के द्वारा राजीव गांधी बाल भविष्य सुरक्षा योजना अंतर्गत प्रयास आवासीय विद्यालय में शिक्षण सत्र 2023-24 कक्षा 9वीं में प्रवेश हेतु चयन परीक्षा 30 अप्रैल 2023 आयोजन किया गया है। उक्त परीक्षा प्रातः 11.00 से 02.00 बजे अपरान्ह तक जिला स्तर पर आयोजित किया गया है। सभी पात्र परीक्षार्थी विभागीय वेबसाईट www.eklavya.cg.nic.in पर विद्यार्थी का आवेदन क्रमांक व विद्यार्थी द्वारा दिये गए मोबाईल नम्बर अंकित कर ऑनलाईन प्रवेश पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की कठिनाई होने पर संबंधित विकासखण्ड के मण्डल संयोजक से संपर्क कर सकते हैं। मण्डल संयोजकों के संपर्क सूत्र - मण्डल संयोजक बतौली- 8225980743, मण्डल संयोजक लखनपुर- 9753946553, मण्डल संयोजक अम्बिकापुर- 9009627222, मण्डल संयोजक लुण्ड्रा- 7999566767, मण्डल संयोजक उदयपुर- 9406130942, मण्डल संयोजक सीतापुर- 7240825482 एवं मण्डल संयोजक मैनपाट- 8319546670 है।

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा) सूरजपुर,जिला सुरजपुर,छ.ग.

रा.प्र.क्र./ /अ-2/2022-23

ईश्तहार

एतद्द्वारा आत ग्रामीण जन ग्राम-शिवनंदनपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री चन्द्रशेखर गोयल आ0 नंदकिशोर गोयल, जाति-अग्रवाल, निवासी ग्राम-शिवनंदनपुर, तह0-लटोरी, जिला-सूरजपुर (छ0ग0)द्वारा उनके स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम शिवंदनपुर, प0ह0नं0-02, रा0नि0मं0-विश्रामपुर, तहसील-लटोरी, जिला-सूरजपुर (छ0ग0) स्थित भूमि खसरा क्र0 444/4 रकबा 0.332 हे0 में से 0.020 हे0 भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिये भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अतएव उक्त संबंध में ग्राम-शिवनंदनपुर के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिध के माध्यम से दिनांक 28/04/2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं/ उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 12.4.2023 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — विशेष कर्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा) सूरजपुर,जिला सुरजपुर,छ.ग.

रा.प्र.क्र./ /अ-2/2020-21

ईश्तहार

एतद्द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-पीढ़ा को सूचित किया जाता है कि आवेदिका तितिक्षा अग्रवाल व 01 अन्य आ0 शंकरलाल गोयल, जाति-अग्रवाल, निवासी ग्राम सूरजपुर तह0 सूरजपुर जिला - सूरजपुर,छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम-पीढ़ा, प0ह0नं0-05, रा0नि0मं0-बसदेई, तहसील-सूरजपुर, जिला-सूरजपुर, छ0ग0 स्थित भूमि खसरा क्र0 1032/2, 1033/6, 1036/5, 1036/6 रकबा क्रमशः 0.320, 0.160, 0.080,0.080 हे0 कुल रकबा 0.640 हे0 भूमि को औद्योगिक प्रयोजन के लिये भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अतएव उक्त संबंध में ग्राम-शिवनंदनपुर के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिध के माध्यम से दिनांक 10/05/2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं/ उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 24.4.2023 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — विशेष कर्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

न्यायालय,अनुविभागीय अधिकारी (रा) सूरजपुर,जिला सुरजपुर,छ.ग.

रा.प्र.क्र./ /अ-2/2020-21

ईश्तहार

एतद्द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-गोपालपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री अर्जुन सिंह आ0 रामरूप, जाति-गोंड, निवासी ग्राम- गोदरीपारा, तह0-चिरमिरी, जिला- कोरिया छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम-गोपालपुर प0ह0नं0-09, रा0नि0मं0 -सूरजपुर, तहसील-सूरजपुर, जिला-सूरजपुर छ0ग0 स्थित भूमि खसरा क्र0 530/15 रकबा 0.040 हे0 भूमि को आवासीय प्रयोजन के लिये भूमि व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।
अतएव उक्त संबंध में ग्राम-गोपालपुर के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिध के माध्यम से दिनांक 10/05/2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं/ उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।
आज दिनांक 24.4.2023 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — विशेष कर्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर, जिला सरगुजा,छ.ग.

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 /अ-2/2022-23

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जयशंकर प्रसाद पाण्डेय आ0 सावर्णी प्रसाद पाण्डेय जाति ब्राम्हण निवासी ग्राम/नगर शीतलवार्ड तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 2224/4 रकबा 0.080 हे0 में से 0.040 हे0 भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1,खसरा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 27/04/2023 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 12/04/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर, जिला सरगुजा,छ.ग.

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 /अ-2/2022-23

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जयंती बड़ा पिता मारकुस बड़ा, ग्लोरिया केरकेट्टा आ0 मार्सेल केरकेट्टा जाति उरां निवासी ग्राम/नगर उदयपुर ढाब तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम उदयपुर ढाब तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 194/4, रकबा 0.279 हे0 में से 0.044 हे0 भूमि को कृषि भिन्न, आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1,खसरा,नक्शा,पंचायत प्रस्ताव,सेटलमेंट,रजिस्ट्री की प्रति आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 10/05/2023 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 24/04/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार नज़ूल अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्र0 /अ-20 (1) /2020-21

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है छत्तीसगढ़ शासन राजस्व प्रबंधन विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर के परिपत्र क्रमांक एफ 04-07/सात-01/2019 नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 11/09/2019 के द्वारा जारी निर्देशानुसार छ.ग. राजस्व पुस्तक परिपत्र के खण्ड 4(1) एवं 4(2) के अद्यतन संशोधित प्रावधानों के तहत आवेदक बांके बिहारी मेहता आ0 स्व0 बलदेव मेहता, निवासी नवापारा, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा के द्वारा नगर अम्बिकापुर के मोहल्ला/ग्राम नवापारा, अम्बिकापुर स्थित शासकीय नज़ूल भूमि खसरा नम्बर 1/1 रकबा 12.76 1/2 एकड़ में से-रकबा 104.02 वर्गमीटर भूमि पर पक्का मकान निर्माण कर अतिक्रमण किया गया है। उसके व्यवस्थापन /आबंटन बावत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में विचारधीन है।
उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता,के माध्यम से पेशी दिनांक 10/5/2023 तक न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।
आज दिनांक 24/04/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नज़ूल तहसीलदार अम्बिकापुर

खिलाड़ियों ने सचिन तेंदुलकर को 50 वें जन्मदिन की बधाई दी

» बात करें उनके करियर के बाद की यादों की

नई दिल्ली,24 अप्रैल 2023। मुंबई इंडियंस (एमआई) के सितारों ने महान भारतीय क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर को उनके 50 वें जन्मदिन के अवसर पर बधाई दी और उनके दो दशक लंबे करियर के कुछ बेहतरीन पलों से जुड़ी उनकी यादों को याद किया। .

सचिन तेंदुलकर सोमवार को 50 साल के हो गए

एमआई के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा, आपने दुनिया भर में इतने सारे लोगों को प्रेरित किया है। मैं परिवार की ओर से आपको जन्मदिन की शुभकामनाएं देना चाहता हूं। आपकी उपस्थिति हमारे लिए बहुत मायने रखती है।

एमआई के युवा, उभरते सितारे तिलक वर्मा ने भी कहा, जब आप उनसे दूर से मिलते हैं, तो यह एक अलग ही एहसास होता है। आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई और मैं आपके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

ऑस्ट्रेलिया के सिंगापुर में जन्मे बल्लेबाज टिम डेविड ने अपनी पिच की रिपोर्ट का लुत्फ उठाते हुए और दिग्गज खिलाड़ी के साथ गोल्फ की बातचीत को याद करते हुए कहा,आपके साथ संबंध बनाना अच्छा है।÷ युवा दक्षिण अफ्रीका अंडर -19 बल्लेबाजी सनसनी डेवाल्ड ब्रेविस ने कहा कि सचिन सर वह है जिसे वह देखता है।

टीम के युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज इशान किशन ने भी कहा, ÷आपको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

बाद में, सचिन के उल्लेखनीय करियर क्षणों की तस्वीरें, जैसे 1998 में शारजाह में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनका डेजर्ट स्टॉर्म, 2003 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ उनकी 98 रन की पारी, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय मैचों में उनका पहला दोहरा शतक बनाना, उन्हें 2011 में क्रिकेट विश्व कप जीतना और 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए बाहर निकलना, के खिलाडियों के साथ साझा किया गया। डेविड, पीयूष चावला, ब्रेविस और तिलक सहित अन्य लोगों ने सचिन के करियर के इन पलों, उन पर उनके विचारों और जब सचिन ने उन पलों को जिया तो वे अपने जीवन में कहां थे, इस बारे में बात की।वीडियो को नीचे देखा जा सकता है। सचिन को खेल खेलने वाला सबसे महान बल्लेबाज माना जाता है। 664 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 48.52 की औसत से 34,357 रन के साथ, सचिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा 100 शतक और 164 अर्धशतक बनाए हैं। शतकों का शतक लगाने वाले वे इकलौते खिलाड़ी हैं। वनडे में 18,426 रन और टेस्ट में 15,921 रन के साथ, सचिन के दोनों प्रारूपों में भी सबसे ज्यादा रन हैं। वह एकदिवसीय दोहरा शतक लगाने वाले और 200 टेस्ट मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी हैं।

उनके नाम पर 201 अंतर्राष्ट्रीय विकेट भी हैं, जो उन्हें एक बहुत ही उपयोगी अंशकालिक स्पिन गेंदबाजी विकल्प बनाता है। कुल 664 अंतरराष्ट्रीय मैचों के साथ, वह अब तक के सबसे अधिक कैप्ड खिलाड़ी हैं।

वह 2011 में क्रिकेट विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा हैं।

सचिन ने 2008-2013 तक छह आईपीएल सीज़न खेले हैं, सभी मुंबई इंडियंस के लिए, जहाँ उन्होंने 78 मैचों में 34.84 की औसत से कुल 2334 रन बनाए हैं। सचिन ने 119.82 के स्ट्राइक रेट के साथ 29 छक्के और 295 चौकों के साथ 13 अर्धशतक और एक शतक लगाया है। उन्होंने एक खिलाड़ी के रूप में फ्रेंचाइजी के साथ टूर्नामेंट का 2013 संस्करण जीता।

सचिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आईपीएल 2010 में आया था। उन्होंने 15 मैचों में 132.61 की स्ट्राइक रेट से 47.53 की औसत से 618 रन बनाए। उन्होंने उस सीजन में पांच अर्धशतक बनाए और उनका सर्वश्रेष्ठ व्यक्तिगत स्कोर 89 था। उन्होंने उस सीजन में ऑरेंज कैप जीती थी। एमआई उस सीजन में उपविजेता के रूप में समाप्त हुआ।

मिजोरम के विभिन्न जिलों में हॉकी को जाते देख अच्छा लगा:भारतीय महिला टीम की फारवर्ड लालरेमसियामी

बेंगलुरु,24 अप्रैल 2023। हॉकी इंडिया की नवीनतम पहल देश भर के विभिन्न जिलों को अपने हॉकी इंडिया का अभियान हर घर हो हॉकी की पहचान कार्यक्रम के माध्यम से जोड़ने के लिए मिजोरम में कई खरीदार देखे गए हैं, जहां युवा खिलाड़ी तेजी से पायदान पर आ रहे हैं।

100 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय कैप के साथ, मिजोरम की पहली ओलंपियन हॉकी खिलाड़ी और भारतीय महिला टीम की फॉरवर्ड लालरेमसियामी ने कहा कि वह अपने राज्य के अधिक युवाओं को खेल में देखकर खुश हैं। अपने गृह राज्य में विकास के बारे में एक परिप्रेक्ष्य प्रदान करते हुए, भारत के करिश्माई फॉरवर्ड लालरेम्सियामी ने हॉकी इंडिया को बताया, जब मैंने लगभग आठ-नौ साल पहले इस खेल को अपनाया था, तो हॉकी को अपनाने वाले खिलाड़ी कम थे क्योंकि फुटबॉल पर अधिक ध्यान केंद्रित किया गया था। मैं आई थी। नई दिल्ली में राष्ट्रीय हॉकी अकादमी के लिए चुने जाने के बाद राष्ट्रीय कार्यक्रम में शामिल हुए। लेकिन अब राज्य में कई और खिलाड़ी दूर-दराज के जिलों से आ रहे हैं क्योंकि राज्य संघ सक्रिय रूप से शिविरों और स्थानीय कार्यक्रमों की मेजबानी कर रहा है।

शीर्ष स्टार ने अपने राज्य की जूनियर महिला टीम की पहली हॉकी इंडिया जूनियर महिला ईस्ट जोन चैंपियनशिप 2023 खूंटी (रांची), झारखंड में रजत पदक हासिल करने के लिए सराहना की, जो ओडिशा हॉकी संघ से आगे थी, जो तीसरे स्थान पर रही। हॉकी मिजोरम ने पहली हॉकी इंडिया जूनियर महिला ईस्ट जोन चैंपियनशिप 2023 के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया, जहां वे पांच मैचों में चार जीत के साथ पूल ए में दूसरे स्थान पर रहने के बाद हॉकी झारखंड से 2-2 (2-1 एसओ) से हार गए। हम सभी को हॉकी इंडिया जूनियर महिला ईस्ट ज़ोन चैंपियनशिप 2023 में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अपनी जूनियर टीम पर बेहद गर्व है। उनकी प्रतिबद्धता, कड़ी मेहनत और टीम भावना वास्तव में सराहनीय थी और हम सभी को प्रेरित करती थी, और मैं इसे लेना चाहूंगी।÷ इस अच्छे काम के लिए उन्हें बधाई देने का अवसर! गया था। उनके करियर ने तब उड़ान भरी जब उन्हें नई दिल्ली में राष्ट्रीय हॉकी अकादमी में एक प्रशिक्षु के

उसने जोड़ा।

सियामी, जैसा कि उसे उसके साथियों द्वारा प्यार से बुलाया जाता है, कोलासिब से है - आइजोल, मिजोरम से लगभग 80 किलोमीटर दूर एक गाँव। उन्हें 2016 में थेनजोल में एक राज्य सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रम के लिए चुना रूप में चुना गया, जहाँ उन्होंने अपने कौशल को निखारा और यू के लिए चुने जाने पर उन्हें सफलता मिली। -18 जूनियर भारतीय टीम जिसने 2016 में अंडर-18 जूनियर एशिया कप खेला था। इसके बाद वह 2018 में एशियाई खेलों में भारत के लिए खेलने वाली मिजोरम की एकमात्र खिलाड़ी बन गई, जहां भारत ने रजत पदक जीता। 2021 में, वह बाद में टोक्यो में प्रतिष्ठित ओलंपिक खेलों 2020 में खेलने वाली राज्य की पहली महिला बनीं, जहां भारतीय महिला टीम चौथे स्थान पर रही और अपने शानदार प्रदर्शन से देश का दिल जीत लिया। यह देखकर मुझे बहुत गर्व और खुशी महसूस होती है कि उत्तर पूर्व से अधिक खिलाड़ी जूनियर शिविरों में आ रहे हैं। कई युवा अब ऐसा महसूस करते हैं कि वे हॉकी से अपना करियर बना सकते हैं जो उन्हें अपने और अपने परिवार के लिए आर्थिक रूप से स्थिर जीवन प्रदान करने में मदद करेगा। ,आक्रमणकारी फॉरवर्ड जोड़ा जो हाफबैक के रूप में भी दोगुना हो जाता है।

भारतीय महिला टीम में अपने जबरदस्त उत्थान के बारे में बात करते हुए, सियामी ने कहा, ÷यह अब तक की एक शानदार यात्रा रही है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं अपने करियर में इतनी तेजी से भारत के लिए 100 से अधिक मैच खेलूंगी। मुझे अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है और भारतीय महिला हॉकी टीम के नए युग का हिस्सा बनकर अच्छा लग रहा है, जहां हम शीर्ष अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।÷

अगली बार, टीम चीन में एशियाई खेलों में अपने प्रदर्शन में और सुधार करना चाह रही है। 2018 में, टीम ने रजत पदक के साथ अपने अभियान का अंत किया और 2014 में उन्होंने कांस्य पदक जीता। ÷2018 में, हम फाइनल में जापान से बहुत करीबी से हार गए थे। उस समय के युवाओं के रूप में, हम में से कुछ रजत पदक जीतकर काफी खुश थे, लेकिन अब मुझे ऐसा लग रहा है कि हम एक ऐतिहासिक स्वर्ण पदक के इतने करीब आ गए हैं। हमारा उद्देश्य यह है समय स्वर्ण जीतने और लगातार तीसरी बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का है, सियामी ने कहा।

भारतीय महिला टीम वर्तमान में राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए एसएआई बेंगलुरु में स्थित है।

दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल 2023 में अपनी रणनीति पर फिर से काम करने की जरूरत है

नई दिल्ली ,24 अप्रैल 2023।आईपीएल 2023 में अपनी पहली जीत का स्वाद चखने के बाद, डेविड वार्नर अपने अगले मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ दिल्ली की राजधानियों का नेतृत्व करेंगे।

वार्नर - जो पिछले आईपीएल सीज़न में ऑरेंज आर्मी का हिस्सा रहे हैं - को उप्पल में समर्थन की कोई कमी नहीं होगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम को उम्मीद होगी कि उनकी टीम पिछले गेम से गति बनाए रखेगी और एडन मार्कराम के नेतृत्व वाली टीम के खिलाफ काफी बेहतर प्रदर्शन करेगी।

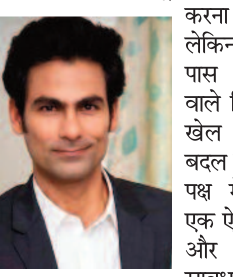

भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि दिल्ली कैपिटल्स को खुद को विवाद में बनाए रखने के लिए टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए अपनी रणनीति पर फिर से काम करना होगा।

स्टार स्पोर्ट्स के क्रिकेट लाइव पर बात करते हुए कैफ ने कहा, ÷दिल्ली को अपने टीम कॉम्बिनेशन पर ध्यान देना होगा. इस टीम को अपनी रणनीति पर फिर से विचार करना होगा. टीम में काफी दिक्कतें हैं और खिलाड़ियों का मनोबल गिरा हुआ है.÷ अब दिल्ली कैपिटल्स को सब कुछ भूलकर लगातार जीत पर ध्यान देना होगा, जो असंभव काम नहीं है.

स्र्क्ष को अपने पिछले कुछ मैचों में बैक-टू-बैक हार का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन इस टीम के पास कुछ गुणवत्ता वाले खिलाड़ी हैं जो खेल के रंग को बदल सकते हैं। स्र्क्ष पक्ष में हैरी ब्रूक एक ऐसा खिलाड़ी है और विरोधी उससे सावधान रहेंगे।

भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी इरफान पठान ने अपने बल्लेबाजी शस्त्रागार में शॉट्स की विस्तृत श्रृंखला के लिए इंग्लिश शीर्ष क्रम के बल्लेबाज की सराहना की।

पठान ने कहा, ÷हैरी ब्रूक के पास शॉट्स की एक विस्तृत श्रृंखला है, उन्होंने टाटा आईपीएल में अब तक अपनी दस्तक के साथ काफी परिपक्वता दिखाई है। जितना अधिक वह टाटा आईपीएल में खेलेंगे, स्पिन के खिलाफ उनके खेल में भी सुधार होगा।

खेल मंत्रालय ने आपको 45 दिनों के भीतर डब्ल्यूएफआई की कार्यकारी समिति के चुनाव कराने का निर्देश दिया

नई दिल्ली ,24 अप्रैल 2023।युवा मामले और खेल मंत्रालय ने भारतीय ओलंपिक संघ को एक तदर्थ समिति बनाने का निर्देश दिया है जो भारतीय कुश्ती महासंघ के गठन के 45 दिनों के भीतर नए सिरे से चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार होगी। भारतीय पहलवान विनेश फोगट, बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक के नई दिल्ली में जंतर मंतर पर भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध शुरू करने के बाद खेल मंत्रालय ने यह कदम उठाया।

भारतीय कुश्ती महासंघ के नए चुनावों का आयोजन और प्रबंधन करेगा। भारतीय ओलंपिक संघ से चुनाव कराने और मामलों के प्रबंधन के लिए अस्थायी समिति या तदर्थ समिति गठित करने का अनुरोध किया गया है।

भारतीय कुश्ती महासंघ द्वारा शुरू की गई चुनाव प्रक्रिया को मंत्रालय द्वारा अमान्य घोषित कर दिया गया है।

डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ पहलवानों का प्रदर्शन जारी

इससे पहले बजरंग पुनिया बाहर आए और कहा कि सभी पार्टी प्रतिष्ठानों और व्यक्तियों का विरोध में शामिल होने के लिए स्वागत है। पुनिया ने कहा, ÷हम किसी पार्टी के लिए नहीं बल्कि देश के लिए खेलते हैं और जीतते हैं। सिर्फ एक पार्टी नहीं बल्कि हर कोई हमें जीत की बधाई देता है। इसलिए इस बार हम सभी पार्टियों और देशवासियों का हमारे विरोध में शामिल होने के लिए स्वागत करते हैं।÷

पुनिया ने यह भी कहा कि, ÷हम मानसिक प्रताड़ना से गुजर रहे हैं, यह महिला एथलीटों के सम्मान के बारे में है ... हमें खेल मंत्रालय से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है, तीन महीने हो गए हैं।पहलवानों के विरोध में वापसी, विनेश फोगट, बजरंग पुनिया और साक्षी मलिक बृज के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं भूषण सिंह और उनके खिलाफ एक जांच। इसी मामले को लेकर पहलवानों ने इस साल जनवरी में डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ विरोध भी किया था जिसके बाद केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने उन्हें बातचीत के लिए आमंत्रित किया था ।

प्रो कबड्डी लीग के आगामी सीजन से पहले खिलाड़ियों पर रहेगी नजर

नई दिल्ली ,24 अप्रैल 2023। प्रो कबड्डी लीग ने न केवल देश में कबड्डी क्रांति लाई है बल्कि पूरी दुनिया में काफी लोकप्रियता हासिल की है। कबड्डी एक ऐसा खेल है जिसका आविष्कार, पोषण और लोकप्रियता भारत में ही हुई और इसे इस खेल का पावरहाउस भी कहा जाता है। भारत ने अनूप कुमार, मनजीत छिल्लर, जसवीर सिंह जैसे महान कबड्डी खिलाड़ियों को जन्म दिया है और कई ऐसे भी हैं जो पीकेएल में भी शामिल हुए हैं।

जैसा कि पीकेएल 2023 की नीलामी कार्ड पर है और इस साल मई और जून के बीच कभी भी होने की उम्मीद है, तारीख, समय पर एक नज़र और साथ ही आगामी नीलामी में खिलाड़ियों को देखने के लिए।

प्रो कबड्डी लीग 2023: प्लेयर्स टू वॉच आउट

परदीप नरवाल: यूपी योद्धास के रेडर प्रदीप नरवाल ने बहुत कम उम्र में काफी सफलता हासिल की। प्रदीप जिन्हें प्रशंसकों द्वारा दुबकी किंग के रूप में भी जाना जाता है, के पास कुल 153 मैचों में 1568 पीकेएल रेड पॉइंट हैं और

वह टूर्नामेंट में ऐसा करने वाले पहले खिलाड़ी भी थे।

अर्जुन देशवाल: मौजूदा चैंपियन जयपुर पिंक पैंथर्स के लिए खेल रहे अर्जुन देशवाल ने 24 पीकेएल 2022 मैचों में कुल 296 रेड पॉइंट हासिल किए और उनके प्रदर्शन में 17 सुपर 10 भी शामिल थे। टूर्नामेंट के 10वें संस्करण में एक बार फिर रेडर अपनी टीम के लिए काफी कारगर साबित होंगे।

भरत: भरत पीकेएल 2022 में अर्जुन देशवाल के बाद दूसरे रेडर थे और उन्होंने टूर्नामेंट के 23 मैचों में कुल 279 रेड पॉइंट हासिल किए। बेंगलुरु बुल्स के लिए खेलते हुए, भरत महत्वपूर्ण चरणों में रेड पॉइंट लाने के लिए जिम्मेदार थे, और उनकी सफलता दर के कारण, वह पीकेएल 2023 में बुल्स के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

मोहम्मदरेज़ा सी: पटना पाइरेट्स के लिए खेलते हुए मोहम्मदरेज़ा सी के 20 पीकेएल 2022 मैचों में कुल 84 टैकल पॉइंट थे और उन्होंने टूर्नामेंट के दौरान कई रेडर्स को अपने हाथों में फंसाया था।

अंकुश: जयपुर पिंक पैंथर्स के डिफेंडर अंकुश भी उन प्रमुख खिलाड़ियों में से एक होंगे, जिन पर चंडीगढ़ के युवा डिफेंडर ने खेले गए 22 मैचों में कुल 81 टैकल पॉइंट बनाए थे और वह उस सीज़न में दूसरे सबसे सफल डिफेंडर भी थे।

भारतीय खिलाड़ियों के अलावा, फ़ज़ल अत्राचली, अबोलफ़ज़ल मघसूदलू, ली जांग-कुन और मेराज शेख जैसे विदेशी खिलाड़ियों ने भी प्रो कबड्डी लीग में अपनी छाप साबित की है और वे एक बार फिर टूर्नामेंट के आगामी सीज़न में एक्शन करते नज़र आएंगे।

शाहिद कपूर और कृति सैनन की आगामी फिल्म का नाम होगा शिंटू की दुल्हनिया

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर और अभिनेत्री कृति सैनन पिछले कुछ वक्त से अपनी आने वाली रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि, अभी तक निर्माताओं ने फिल्म के शीर्षक की घोषणा नहीं की है, लेकिन रिपोर्ट के अनुसार, शाहिद-कृति की इस फिल्म का नाम शिंटू की दुल्हनिया हो सकता है। इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। इस फिल्म में कृति और शाहिद की जोड़ी पहली बार साथ नजर आएगी। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और हाल ही में निर्माताओं ने फिल्म का पहला पोस्टर जारी किया था, जिसमें शाहिद और कृति बाइक पर एक-दूसरे के आमने-सामने बैठे नजर आए। इसमें धर्मेंद्र और डिंपल कपाड़िया भी शामिल हैं। इस फिल्म में धर्मेंद्र और डिंपल करीब तीन दशक बाद एक बार फिर साथ नजर आएंगे। अमित जोशी और आराधना साह द्वारा निर्देशित और दिनेश विजान, ज्योति देशपांडे और लक्ष्मण उटेकर द्वारा निर्मित यह फिल्म अक्टूबर, 2023 में रिलीज होगी।

इस अनटाइटल्ड फिल्म में धर्मेंद्र और डिंपल करीब तीन दशक बाद एक बार फिर साथ नजर आएंगे। उन्होंने इससे पहले साजिश (1988), गंगा तेरे देश में (1988), बंटवारा (1989) और दुश्मन देवता (1991) जैसी फिल्मों में काम किया था, जो हिट साबित हुई थीं।

अनटाइटल्ड फिल्म के पोस्टर में शाहिद और कृति बाइक पर एक-दूसरे के आमने-सामने बैठे नजर आ रहे हैं। ढलते सूरज के सामने बीच पर दोनों का रोमांटिक अंदाज दिख रहा है, जिसमें उनकी केमिस्ट्री को प्रशंसक भी पसंद कर रहे हैं। एक ने लिखा, दोनों साथ में कमाल के लग रहे हैं, तो दूसरे ने लिखा, पता नहीं क्यों कबीर सिंह वाली झलक आ रही है इससे। एक अन्य ने लिखा, फर्जी के बाद फिर शाहिद का कमाल दिखेगा।

कृति अब रिया कपूर के निर्देशन में बनी द क्रू में करीना कपूर खान और तब्बू के साथ में नजर आएंगी। इसके अलावा वह प्रभास और सैफ अली खान के साथ आदिपुरुष का हिस्सा है। शाहिद कपूर की बात करें तो वह आखिरी बार फर्जी में नजर आए थे। अभिनेता ने राज और डीके की सीरीज के साथ अपना ओटीटी डेब्यू किया, जिसमें केके मेनन, भुवन अरोड़ा और विजय सेतुपति शामिल थे। अब वह ब्लडी डैडी में भी नजर आएंगे।

थाई स्लिट ड्रेस में परफेक्ट कर्व्स फ्लॉन्ट करती दिखीं दिशा पाटनी, हॉटनेस ने इंटरनेट पर लगाई आग

बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी हमेशा अपने बोल्ड बिकिनी लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर अपलोड करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर हमेशा अपना दिल हार जाते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी हॉट तस्वीरें इंस्टा पर पोस्ट की हैं जिसमें वो काफी सिजलिंग

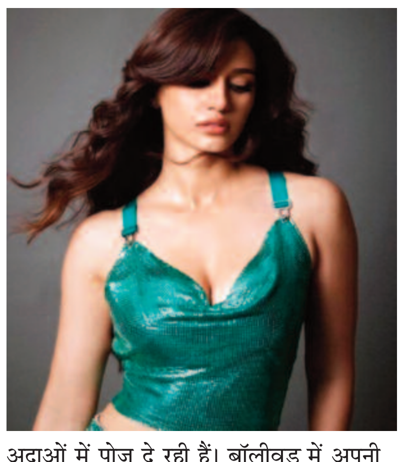

अदाओं में पोज दे रही हैं। बॉलीवुड में अपनी दमदार एक्टिंग और बोल्डनेस का जलवा बिखेरने वाली एक्ट्रेस दिशा पाटनी की तस्वीरें इंटरनेट पर तहलका मचा रही हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस काफी सेक्सी लुक्स में पोज देती हुई नजर आ रही हैं। वो हर बार अपनी तस्वीरें पोस्ट कर फैंस के दिलों की धड़कने बढ़ा देती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में दिशा पाटनी ने ग्रीन कलर की थाई-हाई स्लिट ड्रेस पहनी हुई है जिसमें वो बेहद ही शानदार लग रही हैं।

दिशा पाटनी ने अपनी इन तस्वीरों में सिजलिंग पोज देते हुए बेहद ही हॉट फोटोज क्लिक करवाई हैं। ओपन हेयर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस ने अपने इस आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस दिशा पाटनी जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक्स के जरिए प्यार बरसाते हैं। दिशा पाटनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी लंबी है।

वेब सीरीज जुबली से चर्चा में आईं वामिका गब्बी

अमेजन प्राइम वीडियो की नई सीरीज जुबली को दर्शकों द्वारा खूब प्यार मिल रहा है। इस सीरीज के जरिए निर्माताओं ने हिंदी सिनेमा की अंदरूनी कहानियों को एक काल्पनिक कथा के जरिए पेश करने की कोशिश की है। इसमें अपारशक्ति खुराना, प्रसनजीत चटर्जी, अदिति राव हैदरी, सिद्धांत गुप्ता और राम कपूर जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं, लेकिन जिन्होंने बेहतरीन अदाकारी से हर शख्स का ध्यान अपनी ओर खींचा वो हैं अभिनेत्री वामिका गब्बी।वामिका जुबली में 50 और 60 के दशक की एक अभिनेत्री का किरदार निभा रही हैं। वह पंजाबी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री हैं।

सलमान के फिल्म को मिली ईदी,किसी का भाई...की कमाई में जबरदस्त उछाल

सलमान खान की किसी का भाई किसी की जान सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। फिल्म को लेकर प्रशंसकों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा था तो इसे रिलीज के बाद मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली है। ईद पर रिलीज हुई फिल्म पहले दिन उम्मीद के मुताबिक कमाई नहीं कर पाई थी, लेकिन दूसरे दिन इसके कलेक्शन में जबरदस्त उछाल आया और सलमान को फैंस की ओर से ईदी मिल गई है। आइए जानते हैं फिल्म ने कितनी कमाई की।

सलमान की बहुप्रतीक्षित फिल्म का ईद के मौके पर रिलीज होना उनके प्रशंसकों के लिए किसी तोहफे से कम नहीं था।

रिपोर्ट के अनुसार, पहले दिन जहां फिल्म ने 13 करोड़ कमाए तो दूसरे दिन इसकी कमाई लगभग दोगुनी हो गई है और शनिवार को इसका कलेक्शन 25 करोड़ रुपये रहा। ऐसे में अब दो दिन में फिल्म की कमाई 38 करोड़ रुपये हो गई है और माना जा रहा है कि रविवार की छुट्टी का फायदा भी इसे मिलेगा। किसी का भाई किसी का जान साउथ अभिनेता अजीत की फिल्म वीरम का रीमेक है, जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। कार्तिक आर्यन की शहजादा और अक्षय कुमार की सेल्फी जैसी रीमेक को दर्शकों ने सिरे से नकार दिया

था, वहीं सलमान की रीमेक अब बेहतर कर रही है। शनिवार को फैमिली एंटरटेनर की कुल 27.05त्न हिंदी ऑक्यूपेंसी थी। ऐसे में साफ जाहिर होता है कि फिल्म को ईद की छुट्टी और वीकेंड का फायदा मिला है।

फरहाद सामजी के निर्देशन में बनी इस फिल्म के साथ सलमान ने काफी समय बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है। इस मल्टीस्टारर फिल्म में सलमान के साथ कई सितारे नजर आए हैं, जिनमें पूजा हेगड़े, वेंकटेश दग्गुबाती, भूमिका चावला, सतीश कौशिक, राघव जुयाल, सिद्धार्थ निगम और जस्सी गिल शामिल हैं। इनके अलावा शहनाज गिल, विनाली भटनागर और पलक तिवारी ने बॉलीवुड में कदम रखा है, वहीं भाग्यश्री का पति हिमालय दसानी और बेटे अभिमन्यु दसानी के साथ कैमियो है।

सामंथा रुथ प्रभु की पैन इंडिया फिल्म शाकुंतलम रिलीज से पहले काफी चर्चा में थी। फिल्म की रिलीज डेट में काफी बदलाव हुआ और आखिरकार 14 अप्रैल को इसने सिनेमाघरों में दस्तक दी। फिल्म का हाल पहले ही हफ्ते में बेहाल हो गया और अब यह फ्लॉप होने की कगार पर खड़ी है। साथ ही अब दिन-ब-दिन इसकी कमाई में और भी गिरावट देखने को मिल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को इसकी कमाई 14 लाख रुपये रही है।

C M Y K

छत्तीसगढ़ की दो पंचायतों को मिला राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार

सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत नागम और धमतरी जिले के ग्राम सांकरा को किया गया सम्मानित

» **नागम को गरीबी उन्मूलन एवं आजीविका संवर्धन तथा सांकरा को स्वस्थ पंचायत थीम के लिए मिला पुरस्कार**

» **छत्तीसगढ़ उन चुनिंदा राज्यों में शामिल जिन्हें मिले एक से अधिक पुरस्कार**

रायपुर, 24 अप्रैल 2023(ए)। छत्तीसगढ़ की दो पंचायतों को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में सरगुजा जिले के जनपद पंचायत लुन्ड्रा के ग्राम पंचायत नागम तथा धमतरी जिले के नगरी पंचायत के ग्राम सांकरा को पुरस्कृत किया गया। ग्राम पंचायत नागम को गरीबी उन्मूलन एवं आजीविका संवर्धन श्रेणी में तथा सांकरा को स्वस्थ पंचायत थीम में पुरस्कृत किया गया। इन ग्राम पंचायतों को पुरस्कार के साथ ही 50-50 लाख रूपए की राशि भी प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल एवं पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री रविंद्र चौबे ने इस उपलब्धि के लिए प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उल्लेखनीय है कि पूरे देश में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्यों के लिए 43 ग्राम पंचायतों को पुरस्कार दिये गये। छत्तीसगढ़ उन चुनिंदा राज्यों में शामिल है जिन्हें एक से अधिक पुरस्कार आज प्राप्त हुए। ग्राम पंचायत नागम के सरपंच

श्री भंडारी राम पैकरा तथा ग्राम पंचायत सांकरा की सरपंच श्रीमती शशि ध्रुव ने केंद्रीय मंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास श्री गिरिराज सिंह के हाथों पुरस्कार ग्रहण किया। इस मौके पर केंद्रीय राज्य मंत्री ग्रामीण विकास श्री फगन सिंह कुलस्ते और केन्द्रीय राज्य मंत्री पंचायत राज श्री कपिल मोरेश्वर पाटिल भी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि ग्राम पंचायत नागम में गरीबी उन्मूलन के लिए ग्रामवासियों को मनरेगा के अंतर्गत अधिकाधिक जाब कार्ड प्रदान करने, शतप्रतिशत पारिश्रमिक प्रदाय करने, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना अंतर्गत शतप्रतिशत हितग्राहियों को लाभ प्रदान करने, स्वसहायता समूहों की महिलाओं के आय में वृद्धि के लिए तथा ग्रामवासियों को आईटीआई जैसी संस्था के माध्यम से कौशल विकास कराने उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया।

इसी तरह ग्राम पंचायत सांकरा में गर्भवती महिलाओं का शतप्रतिशत संस्थागत प्रसव, बच्चों को पौष्टिक आहार प्रदान करने, ग्राम सभा, महिला सभा एवं बालसभा में बच्चों के टीकाकरण पर चर्चा करने के लिए , बीमारी जैसे टायफाइड, मलेरिया, टीबी आदि बीमारियों से बचाव हेतु प्रचार, प्रसार करने एवं टेलीमेडिसीन के माध्यम से अच्छा कार्य करने पुरस्कृत किया गया।

यह पुरस्कार इसलिए भी काफी मायने रखता है क्योंकि देश भर की ढाई लाख से अधिक ग्राम पंचायतों ने इस पुरस्कार के लिए नामांकन भरा था। इसमें छत्तीसगढ़ की 11658 ग्राम पंचायतें शामिल थीं। इनमें से 43 ग्राम पंचायतों को पुरस्कार के लिए देश भर से चुना गया। इस पुरस्कार के लिए 9 श्रेणियों में थीम रखी गई थी। कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के संयुक्त सचिव श्री गौरव सिंह, सीईओ जिला पंचायत रायपुर श्री आकाश चिकारा, सीईओ सरगुजा श्री विश्वदीप यादव, उप संचालक श्री दिनेश अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

41 हजार से ज्यादा युवाओं का बेरोजगारी भत्ता स्वीकृत

» **इस जिले में सर्वाधिक आवेदन हुए पंजीकृत**

रायपुर, 24 अप्रैल 2023(ए)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ में 01 अप्रैल 2023 को बेरोजगारी भत्ता योजना का शुभारंभ किया। शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना का लाभ लेने के लिए युवाओं में काफी उत्साह दिख रहा है। योजना के तहत केवल 24 दिनों के भीतर ही 41 हजार 465 से ज्यादा आवेदकों का बेरोजगारी भत्ता स्वीकृत किया गया है। योजना के तहत अब तक बेरोजगारी भत्ता के पोर्टल पर एक लाख 17 सौ 74 आवेदन मिले हैं और इनमें से दस्तावेज सत्यापन के बाद 63 हजार 908 लोगों को बेरोजगारी भत्ता स्वीकृत करने की अनुशंसा भी कर दी गई है।

मुख्यमंत्री बघेल की घोषणा के अनुरूप बेरोजगारी भत्ते की राशि 2,500 रूपए सीधे आवेदकों के बैंक खाते में डीबीटी द्वारा ट्रांसफर की जा रही है। योजना का उद्देश्य प्रदेश के बेरोजगारों को प्रतिमाह 2,500 रूपए का भत्ता देने के साथ-साथ उन्हें कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार योग्य बनाना है।

उल्लेखनीय है कि बेरोजगारी भत्ता योजना के शुभारंभ के पहले ही दिन 1 अप्रैल को शाम 5 बजे की स्थिति में इस पोर्टल में 4269 पंजीयन प्राप्त हुए थे। युवाओं का कहना है कि राज्य शासन से हर माह मिलने वाली 2500 रूपए की मदद उनके कैरियर बनाने की राह में आने वाली आर्थिक कठिनाईयों को हल करने में काफी मददगार होगी। योजना के शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री के हाथों बेरोजगारी भत्ता स्वीकृति आदेश पाने वाले हितग्राही अत्यंत प्रसन्न नजर आ रहे थे, उन्होंने 1 अप्रैल को ही बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन किया था और उसी दिन उनका आवेदन स्वीकृत भी हो गया।

पूर्व में संचालित बेरोजगारी भत्ता योजना की तुलना में वर्तमान में लागू योजना कहीं अधिक सफल है। वर्ष 2015 में बंद की गई बेरोजगारी भत्ता योजना में अधिकतम 22 हजार आवेदकों को ही बेरोजगारी भत्ता स्वीकृत किया गया था, जबकि नई योजना के अंतर्गत पहले 24 दिनों के भीतर ही 41 हजार 465 से ज्यादा आवेदकों का भत्ता स्वीकृत किया जा चुका है।

इनमें बालोद जिले में सर्वाधिक 7 हजार 691, दुर्ग जिले में 7 हजार 495, रायपुर जिले में 6 हजार 43, बिलासपुर जिले में 5 हजार 977, जांजगीर-चांपा जिले में 5 हजार 556, धमतरी जिले में 5 हजार 511, कबीरधाम जिले में 4 हजार 775, कांकेर जिले में 3 हजार 420, सरगुजा जिले में 2 हजार 519, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में एक हजार 13, रायगढ़ जिले में 2 हजार 55, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में 2 हजार 51, बीजापुर जिले में 441, खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले में एक हजार 403, बस्तर जिले में 2 हजार 71, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 929, मुंगेली जिले में 4 हजार 589, जशपुर जिले में 2 हजार 229, गरियाबंद जिले में 3 हजार 96, बलौदाबाजार जिले में 4 हजार 119, महासमुंद जिले में 4 हजार 482, राजनांदगांव जिले में 4 हजार 303, बेमेतरा जिले में 3 हजार 950, सक्ती जिले में 940, कोरिया जिले में 898, दंतेवाड़ा जिले में 641, नारायणपुर जिले में 403, कोण्डागांव जिले में 3 हजार 291, बलरामपुर जिले में एक हजार 596, सुकमा जिले में 582, सूरजपुर जिले में 2 हजार 387, सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में 2 हजार 871, कोरबा जिले में 2 हजार 446 आवेदन अब तक पंजीकृत हुए हैं।

हर दिन 24 घंटे खुला है बेरोजगारी भत्ता पोर्टल

बेरोजगारी भत्ता योजना का पोर्टल 01 अप्रैल 2023 प्रातः से आवेदकों के लिए प्रारंभ हो चुका है। आवेदकों द्वारा इस पोर्टल पर पहले दिन से ही बड़ी संख्या में आवेदन किया जा रहा है। आवेदकों का कहना है कि पोर्टल द्वारा आवेदन करना बहुत ही आसान है, जिसमें वे आवश्यक समस्त दस्तावेजों को भी अपलोड कर रहे हैं, इस कार्य में किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं हो रही है।

बेरोजगारी भत्ता योजना के लिए आवेदन करने की कोई अंतिम तिथि निर्धारित नहीं है और ना ही पोर्टल के खुलने या बंद होने का समय तय किया गया है। पोर्टल समस्त दिनों के लिए 24 घंटे खुला है, आवेदक इस पोर्टल पर अपनी सुविधा अनुसार कभी भी आवेदन कर सकते हैं। बेरोजगारी भत्ता योजना के आवेदक को छत्तीसगढ़ का मूल निवासी होना आवश्यक है। योजना के लिए आवेदन किए जाने वाले वर्ष के 1 अप्रैल को आवेदक की उम्र 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आवेदक मान्यता प्राप्त बोर्ड से कम से कम हायर सेकेण्डरी यानी 12वीं कक्षा पास हो। साथ ही छत्तीसगढ़ के किसी भी जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र में पंजीकृत हो और आवेदन के वर्ष की 1 अप्रैल की स्थिति में हायर सेकेण्डरी या उससे अधिक योग्यता से उसका रोजगार पंजीयन न्यूनतम दो वर्ष पुराना हो। आवेदक की स्वयं का आय का कोई स्त्रोत न हो और आवेदक के परिवार के सभी स्त्रोतों से वार्षिक आय 2.50 लाख रूपए से अधिक न हो। पारिवारिक आय हेतु तहसीलदार या उससे उच्च राजस्व अधिकारी द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र बेरोजगारी भत्ता की आवेदन तिथि से 1 वर्ष के अंदर ही बना हो।

बीजेपी ने लूट-खसोट में निकाल दिया 15 साल:सीएम भूपेश बघेल

रायपुर,24 अप्रैल 2023 (ए)। राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय के नेताओं की वजह से भाजपा की हार वाले बयान पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि उनकी समीक्षा के बारे में मुझे क्या पता. वो 5 साल पीछे चल रहे, उन्हें 5 साल बाद याद आ रहा. 15 साल उनको मौका मिला, लेकिन लूट-खसोट के अलावा कुछ नहीं किया. हमने जो काम किया,

उसका असर ग्रामीण इलाको में देखने को मिलता है, इसलिए छत्तीसगढ़ मॉडल की चर्चा ही हो रही है. आईआईआईटी के दीक्षांत समारोह में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शामिल हुए. समारोह के पश्चात उन्होंने मीडिया से चर्चा में 40 प्रतिशत करप्शन और राहुल गांधी के बेल मामले पर बीजेपी के आरोपों पर कहा कि हमारे नेता तो बस बेल में है, जो जेल में हैं, वो गृहमंत्री हैं.

चिटफंड कंपनी बनाकर मनी लांड्रिंग की गई है. इसकी जांच के लिए पत्र लिखा है, लेकिन जांच नहीं हो रही. अब समझ आ रहा है कि मनी लांड्रिंग का पैसा कहां जाता था. मुख्यमंत्री ने कहा कि महादेव एप पर केस दर्ज किया है, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही है, क्योंकि जांच की आंच बीजेपी नेताओं पर पड़ रही है, इसलिए कार्रवाई नहीं हो रही. कर्नाटक के पूर्व मंत्री पर तंज कसते हुए कहा कि जिस पर आरोप लगा उससे ही पीएम बात कर रहे हैं. भ्रष्टाचार को यदि संरक्षण नहीं दिया जा रहा तो अदानी पर अब तक कोई कार्रवाई क्यों नही हुई, सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार को संरक्षण बीजेपी दे रही।

कर्नाटक चुनाव के लिए भाजपा ने किया स्टार प्रचारकों का एलान

» **पूर्व सीएम रमन,अरुण और चंद्राकर को मिले बी जिम्मेदारी**

रायपुर, 24 अप्रैल 2023(ए)। कर्नाटक में 10 मई को विधानसभा चुनाव होने वाले है। सभी राजनैतिक पार्टियां प्रचार में लगी हुई है। वहीं कर्नाटक चुनाव के लिए छत्तीसगढ़ के बीजेपी नेताओं को भी जिम्मेदारी मिली है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह चुनाव प्रचार के लिए बेंगलुरु जाएंगे। डॉ रमन सिंह 25 और 26 अप्रैल को बोम्मनहल्ली विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार करेंगे और यहां एक प्रेस

कॉन्फ्रेंस भी करेंगे।

वहीं, दूसरी तरफ छत्तीसगढ़ भाजपा के अध्यक्ष अरुण साव और अजय चंद्राकर चुनाव प्रचार के लिए कर्नाटक रवाना हो गए हैं। अरुण साव कर्नाटक के अरसीकेरा विधानसभा में प्रचार करेंगे तो वहीं पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर नागामंगला विधानसभा में भाजपा प्रत्याशी के लिए वोट मांगेंगे। पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह आज शाम को कर्नाटक के लिए रवाना होंगे।

ओपीएस और एनपीएस में से कोई विकल्प नहीं चुनने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के लिए बड़ी खबर

» **वित्त विभाग ने जारी किया पत्र**

रायपुर, 24 अप्रैल 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में ओल्ड पेंशन स्कीम लागू होने के बाद अभी भी कई अधिकारी-कर्मचारी ऐसे हैं, जिन्होंने ओपीएस या एनपीएस ने कोई विकल्प नहीं चुना है। ऐसे कर्मचारियों के लिए वित्त विभाग ने अंतिम पत्र जारी किया है। वित्त विभाग ने यह स्पष्ट किया है कि 8 मई 2023 तक ओपीएस या एनपीएस के विकल्प का चयन करना अनिवार्य है। इस समय सीमा तक कोई विकल्प का चयन नहीं करने पर एनपीएस के लिए सहमति मानते हुए कार्यवाही की जाएगी।

1 मई से 4 नए फैमिली कोर्ट शुरू होंगे

रायपुर, 24 अप्रैल 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में एक मई से चार नए फैमिली कोर्ट शुरू होंगे। इस संबंध में राज्य सरकार ने चार नए जजों के पद स्वीकृत किए हैं। साथ ही, उनके क्षेत्राधिकार भी तय कर दिए गए हैं। नए कोर्ट शुरू होने से पेंडेंसी कम होने की उम्मीद है। साथ ही, पारिवारिक मामलों में पीड़ितों को जल्द न्याय मिलेगा।

राज्य सरकार के विधि एवं विधायी कार्य विभाग ने जो नोटिफिकेशन जारी किया है, उसके मुताबिक बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, दंतेवाड़ा और मुंगेली में नए कोर्ट खुलेंगे। बिलासपुर में द्वितीय अतिरिक्त प्रमुख न्यायाधीश, जांजगीर चांपा में अतिरिक्त प्रमुख न्यायाधीश और दंतेवाड़ा व मुंगेली में न्यायाधीश बैठेंगे।

राज्य सरकार ने स्वीकृत किए नए पद व क्षेत्राधिकार

विधि विभाग के नोटिफिकेशन के मुताबिक द्वितीय अतिरिक्त प्रमुख न्यायाधीश बिलासपुर का कार्यक्षेत्र बिलासपुर राजस्व जिले के साथ-साथ पेंड्रारोड होगा। जांजगीर-चांपा के अतिरिक्त प्रमुख न्यायाधीश जांजगीर-चांपा राजस्व जिले के साथ सक्ती के मामले सुनेंगे। दंतेवाड़ा और मुंगेली के न्यायाधीश का कार्यक्षेत्र पूरा राजस्व जिला होगा।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद राज्य सरकार के विधि विभाग द्वारा 2018 में 10 जिलों में फैमिली कोर्ट की शुरुआत की गई है। इनमें बिलासपुर, दुर्ग, जांजगीर, रायपुर, बालोद, बलौदाबाजार, दंतेवाड़ा, कोंडागांव, मुंगेली और सूरजपुर शामिल हैं। इम्तियाज अहमद विरुद्ध उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद फैमिली कोर्ट शुरू करने का नोटिफिकेशन जारी किया गया था।

इसके मुताबिक बिलासपुर में जजों के 2, दुर्ग में 3, जांजगीर-चांपा में एक, रायपुर में पांच और बालोद, बलौदाबाजार, दंतेवाड़ा, कोंडागांव, मुंगेली व सूरजपुर में एक-एक पद स्वीकृत किए गए हैं। इस तरह कुल 17 पदों की स्वीकृति दी गई थी। इसके साथ ही सभी कोर्ट के हिसाब से अधीक्षक, रीडर-ग्रेड-1, स्टेनोग्राफर, निष्पादन लिपिक, सेल अमीन, आदेशिका लेखक, वाहन चालक, टायपिस्ट, लेखापाल, नाजिर, प्रधान प्रतिलिपिकार, भृत्य, आदेशिक वाहक, फर्राश, माली, स्वीपर, चौकीदार मिलाकर 190 पदों का सेटअप भी स्वीकृत किया गया है।

नक्सलियों के तालाब निर्माण में लगे चैन माउंटेन मशीन व ट्रक को आग के हवाले किया

नारायणपुर , 24 अप्रैल 2023 (ए)। जिले के अबूझमाड़ के कोहकामेटा इलाके के बेचा गांव में आज नक्सलियों के कुतुल एरिया कमेटी ने तालाब निर्माण कार्य में लगे चैन माउंटेन मशीन और एक ट्रक को आग के हवाले कर दिया गया है, जो पूरी तरह जलकर नष्ट हो गया है। वहीं नक्सलियों ने बैनर पोस्टर भी लगाए हैं। इसके अलावा एक रिटायर्ड हेडमास्टर को धमकी दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नक्सली सोमवार सुबह गांव में पहुंचे और इस आगजनी की घटना को अंजाम दिया है। नक्सलियों का कहना है कि जमींदार ने गरीबों की जमीन हड़प ली है। नक्सलियों ने आगजनी करने के बाद एक पर्चा जारी किया है। जिसमें उन्होंने लिखा है कि जमींदार (रिटायर्ड हेडमास्टर) ने गरीबों की जमीन हड़प ली है। हमने 2015 में एक जनअदालत के दौरान उसे सुधरने के लिए कहा था, मगर ये नहीं मान रहा है। नक्सलियों ने लिखा है कि यदि गरीबों की जमीन पर कब्जा करना बंद नहीं किया तो अंजाम बुरा होगा। नक्सलियों ने इन जमीनों को वापस गांव के लोगों को देने की मांग की है।

बेरोजगारी भत्ता के नाम पर युवाओं को छल रही है कांग्रेस सरकार

» **भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ के युवाओ की हक बेरोजगारी भत्ता की लड़ाई लड़ेगी**

रायपुर, 24 अप्रैल 2023 (ए)। प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने के बाद से ही मुख्यमंत्री भूपेश बघेल रोजगार और बेरोजगारी भत्ता के नाम पर युवाओं को छलने का काम कर रही है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस चुनाव से पूर्व राज्य के प्रत्येक बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का वादा

किया था जो आजतक झूठा साबित हुआ। कांग्रेस सरकार भत्ता के नाम पर युवाओं को नियमो के फेर में फंसाकर लॉलीपॉप दे रहा है।

भारतीय जनता युवा मोर्चा छत्तीसगढ़ युवाओं की हक के लिए अपनी आवाज बुलंद कर रहे है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत के आह्वान पर 25, 26 और 27 अप्रैल को रोजगार कार्यालय घेराव कर तालाबन्दी किया जाएगा। भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने उक्त कार्यक्रम के लिए प्रदेश प्रभारी, सह प्रभारी, आंदोलन सलाहकार एवं सदस्यों की नियुक्ति की है।

छत्तीसगढ़ की सभी 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी बीएसपी

रायपुर, 24 अप्रैल 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में इसी साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। कांग्रेस बीजेपी, आम आदमी पार्टी, जेसीसी सहित बहुजन समाज पार्टी विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई है। इस बीच बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जैजैपुर विधायक केशव प्रसाद चन्द्रा के एक बयान से सूबे का सियासी पारा गरमा गया है।

बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जैजैपुर विधायक केशव प्रसाद चन्द्रा ने रविवार को बयान जारी कर कहा कि, आगामी 2023 आमचुनाव में हम छत्तीसगढ़ के सभी 90 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेंगे। बहुजन समाज पार्टी के समर्थन के बगैर प्रदेश में सरकार नहीं बन सकेगी।

उन्होंने कहा कि 50 से अधिक सीटों पर जीत का नीला झंडा लहराएंगे। बसपा आलाकमान से चुनाव लड़ने और पार्टी उम्मीदवारों के सर्वे करने की अनुमति मिली है।

विधायक केशव प्रसाद ने जेसीसीजे पर हमला बोलते हुए कहा कि, पूर्व मुख्यमंत्री स्व. अजीत जोगी के निधन के बाद जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) पार्टी का अस्तित्व समाप्त हो गया है। जेसीसीजे नेतृत्व विहीन हो चुकी है।

बीजेपी नेता का बड़ा बयान

छग सरकार स्पष्ट करें गुड्डू मुस्लिम कहां है?

रायपुर, 24 अप्रैल 2023 (ए)। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अनुराग सिंह देव का बड़ा बयान दिया और कहा - छग सरकार स्पष्ट करें गुड्डू मुस्लिम कहां है? कांग्रेस राज में छत्तीसगढ़ अपराधियों का, माफियाओं का ,जिहादियों का पनाहगार बन गया है सरकार ने तुष्टीकरण की सारी हदें पार कर दी है। वही भाजपा प्रवक्ता संदीप शर्मा ने पूछा - भुनेश्वर साहू हत्याकांड में मंत्री रविंद्र चौबे से पूछताछ कब होगी?. संदीप शर्मा का कहना है कि

बिरनपुर में स्वर्गीय भुवनेश्वर साहू की हत्या हुए काफी दिन बीत गए हैं लेकिन आज तक मृतक के पिता के बयान को संज्ञान में नहीं लिया गया जिसमें उन्होंने मंत्री रविंद्र चौबे के सहयोगी द्वारा धमकी देने का जिक्र किया ,सरकार स्पष्ट करें कि इस मामले में वह क्या कार्यवाही कर रही है व अब तक इसकी जांच कहां तक पहुंची है? सहयोगी को अब तक गिरफ्तार क्यों नही किया गया?

अरुण साव ने कहा - भुनेश्वर साहू के लिए न्याय मांगने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं पर एफआईआर हो रही है और सप्रमाण तथ्यों के साथ कांग्रेस नेताओं के खिलाफ की गई शिकायत पर कोई कार्यवाही ना होना कांग्रेस द्वारा तुष्टीकरण की पराकाष्ठा का प्रमाण है।भाजपा विधायक व प्रदेश प्रवक्ता रंजना साहू ने कहा - छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार आने वाली पीढ़ियों को कुपोषित देखना चाहती है? कांग्रेस सरकार ने गर्भवती महिलाओं का भोजन तक बंद कर दिया है सरकार जवाब दे

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)